राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 244 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार , 28 फरवरी 2021 , मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

वोकल फॉर लोकल को जन आंदोलन बनने में जुटा हुनर हाट : नकवी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। केंद्रीय अल्पसंख्यककार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि वोकल फॉर लोकल को जन आंदोलन बनाने में हुनर हाट अहम भूमिका निभा रहा हैं। दरअसल हुनर हाट कलाकारों को प्रोत्साहित करने की अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल है केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित 26वें हुनर हाट में नकवी ने कहा कि 20 फरवरी को शुरू हुए इस हुनर हाट में अब तक 12 लाख से अधिक लोग आ चुके हैं। 1 मार्च 2021 तक चलने वाले हुनर हाट में अगले दो दिन में आने लोगों की संख्या 16 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है।

जीवनसाथी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना मानसिक क्रूरता

नई दिल्ली। एक सैन्य अधिकारी का उसकी पत्नी से तलाक मंजूर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवनसाथी के खिलाफ मानहानिकारक शिकायतें करना और उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना मानसिक क्रूरता के समान है। न्यायमूर्ति एस के कौल के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने टूटे हुए संबंध को मध्यमवर्गीय वैवाहिक जीवन की सामान्य टूट-फूट करार देकर अपने निर्णय में त्रुटि की। पीठ ने कहा, यह निश्चित तौर पर प्रतिवादी द्वारा अपीलकर्ता के खिलाफ क्रूरता का मामला है और उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार करने तथा परिवार अदालत के फैसले को बहाल करने के लिए पर्याप्त औचित्य पाया गया है।

अमरावती जिले में 8 मार्च तक के लिए बढ़ा लॉकडाउन

अमरावती, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में 8 मार्च तक के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है इसके पहले जिले में 1 मार्च तक के लिए ही लॉकडाउन का फैसला था। लेकिन कोरोना के मामले न थमने के कारण लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा अकोला, अकोट और मुरजितापुर में भी लॉकडाउन बढ़ा है।

केजरीवाल मेरठ से हुंकार भरेंगे

लखनऊ, (एजेंसी)। देश भर में किसानों के चल रहे आंदोलन में अब तमाम राजनीतिक पार्टियों ने अपने लिए समर्थन जुटाने की कवायद शुरू कर दी है। एक तरफ जहां कांग्रेस पार्टी जय जवान जय किसान के नारे के साथ पश्चिमी यूपी में रैली कर रही है। वहीं अब आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी रविवार को मेरठ में किसान महापंचायत के नाम पर किसानों को संबोधित करेंगे।

गौरतलब है आप आदमी पार्टी ने 2022 में यूपी और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लड़ने का एलान किया है. आप ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह को यूपी का प्रभारी भी बनाया है जोकि उत्तर प्रदेश में आजकल खासे सक्रिय हैं। इसके साथ ही दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व दिल्ली सरकार के अन्य मंत्री भी यूपी में खासे सक्रिय हैं।

बता दें कि पिछले महीने ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि अगले 2 साल में देश में 6 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ेगी। ये 6 राज्य उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, पंजाब और गोवा हैं। दरअसल, आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पैठ बनाने की कोशिश में है और उसी के तहत ये फैसला लिया गया है।

खिलौना उद्योग में छिपी ताकत को बढ़ाना जरूरी : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खिलौना उद्योग में छिपी ताकत को बढ़ाना बहुत जरूरी है। पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअली इंडिया टॉय फेयर 2021 का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। इस दौरान पीएम ने कहा कि ये पहला टॉय फेयर केवल एक व्यापारिक या आर्थिक कार्यक्रम भर नहीं है। ये कार्यक्रम देश की सदियों पुरानी खेल और उल्लास की संस्कृति को मजबूत करने की एक कड़ी है। सिंधु घाटी सभ्यता, मोहनजो-दारो और हड़प्पा के दौर के खिलौनों पर पूरी दुनिया ने रिसर्च की है। पीएम मोदी ने कहा कि प्राचीन काल में दुनिया के यात्री जब भारत आते थे, तो भारत में खेलों को सीखते भी थे और अपने साथ लेकर भी जाते थे। आज जो शतरंज दुनिया में इतना लोकप्रिय है, वो पहले चतुरंग या चादुरंगा के रूप में भारत में खेला जाता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक लूडो तब पच्चीसी के रूप में खेला जाता था। हमारे धर्मग्रन्थों में भी आप देखिए, बाल राम के लिए अलग-अलग कितने ही खिलौनों का वर्णन मिलता है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि रीयूज और रीसायकलिंग जिस तरह से भारतीय जीवनशैली का हिस्सा रहे हैं, वही हमारे खिलौनों में भी दिखता है। ज्यादातर भारतीय खिलौने प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल चीजों से बनते हैं, उनमें इस्तेमाल होने वाले रंग भी प्राकृतिक और सुरक्षित होते हैं। उन्होंने कहा, आज मैं देश के खिलौना निमार्ताओं से भी अपील करना चाहता हूं कि आप ऐसे खिलौने बनाएं जो इकॉलजी और साइकॉलजी दोनों के लिए बेहतर हों! क्या हम ये प्रयास कर सकते हैं कि खिलौनों में कम से कम प्लास्टिक का उपयोग करें ऐसी चीजों का उपयोग करें जिन्हें रिसायकिल कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय खेल और खिलौनों की ये खूबी रही है कि उनमें ज्ञान होता है, विज्ञान भी होता है, मनोरंजन होता है और मनोविज्ञान भी होता है।

सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार से नवाजे जाएंगे पीएम मोदी

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अगले सप्ताह वार्षिक अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन में सेरावीक वैश्विक ऊर्जा एवं पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नवाजा जाएगा। प्रधानमंत्री सेरावीक कॉन्फ्रेंस-2021 को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन डिजिटल तरीके से एक से पांच मार्च तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक आईएचएस मार्किट ने यह जानकारी दी। इस सम्मेलन के नामी वक्ताओं में पर्यावरण के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन केरी, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह अध्यक्ष और ब्रेकथ्रू इनर्जी बिल गेट्स के संस्थापक और सऊदी अरामको के अध्यक्ष एवं सीईओ अमीन नासेर होंगे।

भारत-चीन को सौहार्द के एक्सप्रेस-वे पर लाना चाहते हैं जयशंकर

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत हमेशा से पड़ोसी देशों के साथ शांति और सौहार्द का पक्षधर रहा है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले से ही इस नीति के हिमायती रहे हैं। चीन के साथ भी भारत तनाव पूर्ण प्लेटफार्म से सौहार्द के एक्सप्रेस-वे पर लाने का पक्षधर है। इसी कड़ी में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से गुरुवार को सवा घंटा बात की थी। बातचीत के दौरान उन्हें सितंबर 2020 में मास्को में हुई चर्चा तथा सहमति को याद दिलाया और यथाशीघ्र लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएएसी) के बाकी हिस्सों पर विसैन्यीकरण (डिसएंगेजमेंट) की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने पर बल दिया।

भारतीय विदेश मंत्री इसे दोनों देशों के बीच में शांति, स्थिरता और सौहार्द के लिए सबसे अहम जरूरत बताई। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ तालमेल, तारतम्य, आपसी मुद्दों के समाधान अथवा एलएएसी पर सीमा प्रबंधन के उपायों, विश्वास बहाली की प्रक्रिया के लिए हॉट लाइन स्थापित करने पर सहमत हुए। इससे पहले दोनों विदेश मंत्री मास्को में सितंबर 2020 में मिले थे। तब एस. जयशंकर ने अपने समकक्ष वांग यी से लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एकतरफा कार्रवाई करके इसकी अवधारणा बदलने के प्रयास पर चिंता जताई थी। विदेश मंत्री ने गुरुवार को हुई वार्ता में एक बार फिर रिश्तों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की स्थिति के कारण दोनों देशों के आपसी संबंधों को गहरा झटका लगा है। पहले से जारी विश्वास बहाली के मजबूत उपायों को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने एक बार फिर जोर देकर कहा कि सीमा मुद्दे के समाधान में समय लग सकता है, लेकिन इस तरह के प्रयास और एक पक्षीय उकसावे, हिंसा की कार्रवाई का दोनों देशों के रिश्ते पर बहुत विपरीत असर पड़ता है। इसलिए इस तरह की स्थितियां किसी भी पक्ष के हित में नहीं हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पैंगोंग क्षेत्र में सैन्य विसैन्यीकरण के प्रयासों तथा दोनों देशों के बीच में बनी सहमति का स्वागत किया।

जम्मू में दिग्गज जी-23 कांग्रेसियों का जमावड़ा

जम्मू, (एजेंसी)। कांग्रेस संगठन में चल रही अंदुरूनी उठा-पटक के चलते जम्मू में जी-23 कांग्रेसी दिग्गजों का जमावड़ा शुरू हुआ सियासी सरगर्मी भी तेज होने लगी सुनने में आया है कि ये नेता जम्मू में कुछ बड़ा धमाका कर सकते हैं। ये सभी नेता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जनक राज गुप्ता की श्रद्धांजलि सभा के लिए जमा हुए हैं। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद से रिटायर होने के बाद गुलाम नबी आजाद शुक्रवार को जम्मू पहुंचे। कांग्रेस में कलह की तस्वीर और बढ़ती नजर आ रही है। कांग्रेस के कुछ असंतुष्ट नेता आज कुछ बड़ा ऐलान कर सकते हैं। गुलाम नबी आजाद, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, आनंद शर्मा, कपिल सिब्बल, राज बब्बर जम्मू पहुंचे हैं। आज किसी बड़े ऐलान की संभावना जताई जा रही। संभावना जताई जा रही है कि ये असंतुष्टी कांग्रेस के भीतर कलह को किस तरह से और सामने रख सकती है।

ये सभी नेता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शांति सम्मेलन के लिए जमा हुए हैं। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद से रिटायर होने के बाद आजाद शुक्रवार को जम्मू पहुंचे। यहां उनके स्वागत में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उमड़े। इस दौरान जब आजाद से पांच राज्यों में कांग्रेस के प्रदर्शन की संभावना पर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी हम ये कैसे कह सकते हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी का पूरा प्रयास होगा कि पांच राज्यों में हम चुनाव लड़ेंगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं के समूह को जी-23 के नाम से भी जाना जाता है जिन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े किए थे और सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी थी। इन नेताओं में गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पृथ्वीराज चव्हाण, विवेक तन्खा और राज बब्बर जैसे नेता शामिल हैं। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद समेत हरियाणा, पंजाब, हिमाचल औ मध्य प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक दिग्गज कांगेस नेताओं का जमावड़ा बीती शुक्रवार से ही जम्मू में है। गौर करने वाली बात ये है कि कांग्रेस के इन दिग्गज नेताओं का जमावड़ा ऐसे वक्त में हुआ है जब दक्षिण में राहुल गांधी पार्टी की जड़े मजबूत करने की कवायद में लगे हैं।

ममता की आपत्ति पर चुनाव आयोग ने दिया जवाब

नई दिल्ली, (संवाददाता)। पश्चिम बंगाल में सहित देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनावों के ऐलान के बाद सियासी सरगर्मी तेज हो गई है वहीं, बंगाल में 8 चरणों में चुनाव कराए जाने को लेकर तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी ने आपत्ति जताई है। यही नहीं चुनावों के ऐलान के ठीक बाद आयोग पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि था भाजपा के कहने पर ऐसा किया गया है। अब चुनाव आयोग की ओर से बताया गया है कि आखिर 8 चरणों में पश्चिम बंगाल में क्यों चुनाव कराए जाएंगे। आयोग के सीनियर अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों, सुरक्षा बलों के मूवमेंट, पोलिंग स्टेशनों की संख्या में इजाफा और कोरोना प्रोटोकॉल के चलते ऐसा किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने तारीखों का ऐलान करते हुए बताया था कि कानून-व्यवस्था समेत तमाम फैक्टर्स को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया गया है।

सुनील अरोड़ा ने कहा था, पश्चिम बंगाल में 2016 में भी 7 चरणों में विधानसभा के चुनाव हुए थे। लोकसभा इलेक्शन भी 7 चरणों में ही कराए गए थे। इसलिए 8 चरणों में वोटिंग होना कोई बड़ी बात नहीं है। हमें सिक्योरिटी फोर्सेज के मूवमेंट का भी ध्यान रखना है। चुनाव आयुक्त ने कहा था कि हमने राज्यों की स्थिति का ध्यान रखते हुए ही तमिलनाडु में पर्यवेक्षक के तौर पर दो लोगों को भेजने का फैसला लिया है। वहीं पश्चिम बंगाल में दो पुलिस ऑब्जर्वर भेजे जाएंगे। बता दें कि चुनावों के ऐलान के ठीक बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर सीधा हमला बोला था। ममता बनर्जी ने कहा था कि आयोग ने तारीखों का ऐलान इस तरह से किया है, जिससे भाजपा को फायदा हो।

ममता बनर्जी ने कहा था, चुनाव आयोग का पूरा सम्मान करते हुए मैं यह कहना चाहती हूं कि आखिर पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में क्यों चुनाव कराए जा रहे हैं, जबकि अन्य कई राज्यों में एक ही राउंड में वोटिंग होनी है। ममता बनर्जी के अलावा कुछ लेफ्ट पार्टियों ने भी 8 चरणों में मतदान को लेकर ऐतराज जताया था। यही नहीं वामपंथी दलों का कहना था कि चुनाव आयोग यह बताने में असफल रहा है कि इतने ज्यादा राउंड्स में वह वोटिंग क्यों कराएगा। ममता बनर्जी के इस ऐतराज पर भाजपा ने भी हमला बोला है और बीते चुनावों में उनके आग्रह की याद दिलाते हुए कहा है कि खुद ममता ने कहा था कि ज्यादा चरणों में वोटिंग कराई जानी चाहिए।

भाजपा के पूर्व महासचिव राहुल सिन्हा ने ममता पर हमला बोलते हुए कहा, वह इसलिए विरोध कर रही हैं क्योंकि 8 चरणों में वोटिंग कराए जाने से शांति पूर्ण चुनाव होंगे। हमेशा से होने वाली हिंसा नहीं हो सकेगी। यदि वह अपने समर्थन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं तो फिर 28 चरणों में भी चुनाव कराए जाएं तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

देश की सेना के शौर्य और पराक्रम पर किसी को संदेह नहीं करना चाहिए, गाजीपुर में बोले- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

गाजीपुर । गोद लिए बेटे की शादी में सैदपुर नगर के मदारीपुर मोहल्ला में आए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के पराक्रम को बेजोड़ बताया। उन्होंने कहा कि चीन के पीछे हटने के बाद भी विपक्ष सवाल उठा रहा है। यह देश की बड़ी बिडंबना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्यंत गरीब बच्चों को गोद लेकर उन्हें पढ़ा लिखाकर कामयाब इंसान बनाने के बाद आनंद की अनुभूति होती है। हर सक्षम व्यक्ति को यह कार्य करना चाहिए।

जब मैं मुख्यमंत्री था तो अपने चीफ सेक्रेटरी से कहकर आश्रम पद्धति के दो बच्चों को गोद लिया। डाक्टर बृजेंद्र उसमें से एक बच्चा है जो आज सरकारी अस्पताल में डाक्टर है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने जिस धैर्य, शौर्य व संयम का परिचय दिया है उसे जानकार हर भारतवासी को गर्व होगा। चीन द्वारा अपनी सेना को पीछे करने के बावजूद विपक्ष द्वारा आरोप लगा रहा है। रक्षामंत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यह विडंबना है। हमारे देश की सेना के शौर्य और पराक्रम पर किसी को संदेह नहीं करना चाहिए।

रक्षामंत्री बृजेंद्र के घर करीब 30 मिनट रहे। उनके साथ केंद्रीय मंत्री डाक्टर महेंद्रनाथ पांडेय भी रहे। दोनों लोग 3 बजकर 10 मिनट पर बाबतपुर के लिए रवाना हो गए।

रक्षामंत्री द्वारा गोद लिए गए डा बृजेंद्र की दुल्हन की जदगानी भी कहीं न कहीं रक्षा मंत्रालय से जुड़ी हुई है। बृजेंद्र की दुल्हन क्षेत्र के अनौनी गांव निवासी प्रेमचंद की पुत्री है। प्रेमचंद रक्षा मंत्रालय के अधीन वेस्ट बंगाल के इच्छापुर में चलने वाली राइफल फैक्ट्री में ग्रुप बी में कार्यरत हैं। खास यह कि जब उन्होंने अपनी बेटी की शादी तय की थी तो रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से संबंध के बारे में कुछ भी पता नहीं था। अब उन्हें पता चला कि उनका होने वाला दामाद रक्षा मंत्री का दत्तक पुत्र है तो उन्होंने तैयारियों को और गति प्रदान कर दी है।

मृदुभाषी व सौम्य स्वभाव के धनी डा. बृजेंद्र को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2002 में गोद लिया था, लेकिन इस बात का पता बहुत कम लोगों को ही था। आसपास सहित अधिकतर लोग इस रिश्ते से अंजान थे। 27 फरवरी को आयोजित उसकी शादी में रक्षामंत्री के आने का कार्यक्रम के बाद उनका संबंध जगजाहिर हुआ। सबकी तरह डा. बृजेंद्र की होने वाली दुल्हन प्रीतिका व और उनके घरवालों को भी इस संबंध का पता चला। बकौल प्रेमचंद डा बृजेंद्र ने कभी जाहिर नहीं होने से दिया कि रक्षामंत्री से उनका संबंध है।

बीत जून माह में हम लोगों ने बृजेंद्र को देखा और शादी तय की। छह नवंबर को सगाई हुई और शादी की तिथि पड़ गई। इसके बाद भी करीब तीन माह बीत गए, लेकिन बृजेंद्र ने कभी इस बात का अहसास नहीं होने दिया कि वह रक्षा मंत्री द्वारा गोद लिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि शादी की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही हैं। कल बारात के स्वागत को लेकर मेरे सहित परिवार और गांव के लोग उत्साहित हैं। प्रीतिका ने अंग्रेजी से एमए एवं बीएड कोलकाता यूनिवर्सिटी से की है। अब वह सिविल की तैयारी में जुटी हैं।

जेपी नड्डा का कांग्रेस पर करारा वार, बोले- विपक्षी पार्टी का काम भाई को भाई से लड़ाना

नई दिल्ली । भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कांग्रेस पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को भारत को शक्तिशाली देखने में सवाल खड़े करने की आदत है। जब मैं पहली बार चुनाव लड़ने गया तो कांग्रेस ने कहा कि ये तो दरिया के उस पार का है जैसे कि मैं पाकिस्तान का हो गया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का काम भाई को भाई से लड़ाना है। संत गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर नड्डा ने एकता एवं सद्भाव से परिपूर्ण संत रविदास का दर्शन आज भी प्रासंगिक है। उनका हर विचार हमारी सरकार के लिए समाज सेवा का मंत्र है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संत रविदास जी के ये शब्द-ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न, छोट-बड़ो सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न। यदि इस वाक्य को आत्मसात किसी ने किया है तो वह भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी ने किया है। एकता और सद्भाव से परिपूर्ण संत रविदास का दर्शन आज भी प्रासंगिक है। उनका हर विचार हमारी सरकार के लिए समाज सेवा का मंत्र है। नड्डा ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी बनती है कि गुरु रविदास जी के बताए रास्ते पर चलते हुए एक सशक्त और सामर्थ्यवान भारत हम बनाएं। इसमें जो प्रधानमंत्री जी की योजनाएं हैं हम उनको नीचे तक फलीभूत करने के लिए काम करेंगे। यही संत रविदास जी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को 100 फीसद ओपेन डेफिकेशन फ्री बना दिया है। 11 करोड़ इज्जत घर बनाए हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी धरती की चिंता करने वाले लोगों में हैं। सौभाग्य योजना में तय हुआ कि हर घर को भारत सरकार के पैसे से बिजली पहुंचाई जाएगी।

भारतीय कोरोना वैक्सीन का विश्व में डंका, 31 देशों को भेजे 3.61 करोड़ टीके

नई दिल्ली, (संवाददाता)। वैश्विक महामारी की रोकथाम के लिए भारत की स्वदेशी कोरोनारोधी वैक्सीन का डंका अब दुनिया में बज रहा है। कोरोना वायरस की महामारी से जूझ रही दुनिया के कई देश मेड इन इंडिया टीके की मांग कर रहे हैं। भारत अपनी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अन्य देशों को वैक्सीन की आपूर्ति कर रहा हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने पिछलें दिनों लोकसभा में बताया था कि विश्व के 22 देशों ने भारत में रिकार्ड समय में बने कोविड टीके की मांग की है। इसके मुकाबले भारत ने अब तक के उपलब्ध आकड़ों के अनुसार 31 देशों को 3.61 करोड़ टीकें भेजें है। भारत ने अफगानिस्तान, म्यांमार, बांग्लादेश, मंगोलिया, ओमान, बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका, मालदीव, मोरिशस, सेशेल्स, बहरीन, बारबोडस, डोमेशिया और नेपाल आदि 15 देशों को 0.67 करोड़ टीकें बतौर सहायता भिजवायें हैं।

साथ ही इन देशों और 22 अन्य देशों जिसमें दक्षिणी अफ्रिका, मोरोक्को, ईजीप्ट, अल्जीरिया, कुवैत, यूएई, मेक्सिको, साउदी अरब, डोमिनिसीयन रिपब्लिक, अलस्लवाडोर, अर्जेंटीना, सर्बिया, यू एन हेल्थ वर्क्स, उक्रेन, घाना, आइवरी कोस्ट आदि शामिल है, जिनको उनकी मांग के अनुरूप वाणिज्यिक आधार पर टीकें उपलब्ध करायें हैं। डॉ. हर्ष वर्धन ने दावा किया है कि भारत में कोविड-19 को मात देने के लिए और भी टीकें निर्माण की प्रक्रिया में है। जिनमें कोरोना वैक्सीन के सात टीकों में तीन अंतिम चरण में और दो दूसरे चरण में हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का यह बयान भारतीय वैज्ञानिकों और प्रयोगशालाओं में रात दिन काम करने वाले सहायकों की महान उपलब्धि को दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई मौकों पर कहा है कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा वैक्सीन निमार्ता और वितरक है।

कनाडा में भारतीय असुरक्षित, खालिस्तानी समर्थकों द्वारा बनाया जा रहा निशाना

ओटावा। कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भारत सर्तक हो गया है। नए कृषि कानूनों के समर्थन करने वाले भारतीय समुदाय के कुछ सदस्यों को धमकियां मिल रही है। इस संबंध में भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह मुद्दा कनाडाई अधिकारियों के समक्ष भी उठाया। उधर, आज कनाडा में भारतीय मूल के कुछ लोगों ने अपनी सुरक्षा को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कुछ लोग एनडपी सांसद जगमीत सिंह के कार्यालय के बाहर विरोध -प्रदर्शन करते हुए नजर आए। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने कहा कि भारत में चल रहे किसानों के विरोध-प्रदर्शन के चलते उन्हें खालिस्तान समर्थकों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है।

बता दें कि कनाडा में भी कृषि कानूनों के प्रति लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कृषि कानूनों के समर्थन में तिरंगा रैली निकालने प कनाडा में भारतीय समुदाय के कुछ सदस्यों को धमकियां मिलने संबंधी रिपोर्टों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा कि कनाडा में भारतीय समुदाय के कुछ सदस्यों को धमकियां मिलने और डराने संबंधित रिपोर्ट सामने आई हैं। ये धमकियां कनाडा में कुछ तत्वों की तरफ से आई हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिकों को ऐसी किसी भी घटना की रिपोर्ट स्थानीय कनाडाई पुलिस को करने की सलाह दी गई है। साथ ही इसके बारे में तत्काल ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग और भारतीय कांसुलेट को भी सूचना देने के लिए कहा गया है।

ब्राजील ने भारत बायोटेक के साथ वैक्सीन समझौते पर किया हस्ताक्षर, टीके की 2 करोड़ डोज खरीदेगा

ब्राजील। ब्राजील ने भारत की स्वदेशी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक के साथ वैक्सीन समझौता किया है। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 के टीके 'कोवैक्सीन' की दो करोड़ खुराक खरीदने के लिए भारत की दवा कम्पनी 'भारत बायोटेक' के साथ समझौता किया है। हालांकि, 'कोवैक्सीन' के इस्तेमाल को स्थानीय नियामकों ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है। ब्राजील की ओर से यह समझौता उस दिन किया गया है, जब ब्राजील में संक्रमण से मौत का आंकड़ा ढाई लाख पर पहुंच गया है।

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के प्रशासन ने बताया कि 'कोवैक्सीन' टीके की 80 लाख खुराक की पहली खेप मार्च में आएगी। 80 लाख खुराक की दूसरी खेप के अप्रैल में और अन्य 40 लाख खुराक के मई में आने की संभावना है। ब्राजील टीकों की कमी के कारण अपनी 21 करोड़ की आबादी में से केवल चार प्रतिशत लोगों को ही टीके लगा पाया है। देश की दवा कंपनी 'प्रीसीसा मेडिकामेंटोस' और 'भारत बायोटेक' दोनों में से क्रिसी ने इस समझौते की पुष्टि नहीं की है।

अब तक ब्राज़ील ने 2.2 करोड़ लोगों की आबादी में से 4 प्रतिशत से कम का टीकाकरण किया है, कुछ शहरों में टीके की कमी के कारण पिछले सप्ताह टीकाकरण अभियान को रोक दिया गया है। हालांकि, ना तो न तो ब्राजील की प्रीसीसा और न ही भारत बायोटेक ने सौदे या डिलीवरी की तारीखों की पुष्टि की है।

सीरिया के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है भारत, यूएन में दोहराई अपनी प्रतिबद्धता

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने एक बार फिर से सीरियों के समर्थन को लेकर बयान दिया है। भारत ने कहा है कि वो सीरिया के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। ये बातें संयुक्त राष्ट्र(यूएन) में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कही हैं। टीएस तिरुमूर्ति ने कहा है कि भारत आज भी सीरिया के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि इस महीने की शुरुआत में सीरिया सरकार से आपातकालीन मानवीय सहायता के लिए अनुरोध के बाद भारत ने सीरिया को 2,000 मीट्रिक टन से अधिक चावल भेजे।

उन्होंने कहा कि सीरिया में मानवीय सहायता- यह सीमा पार या क्रॉसलाइन को सीरिया की स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को ध्यान में रखना चाहिए। सभी दलों को स्वास्थ्य और मानवीय कार्यकर्ताओं की रक्षा करने की आवश्यकता है।भारत ने सीरिया में खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने हेतु दो हजार टन चावल उपहार के तौर पर दिया। विदेश मंत्रालय ने 12 फरवरी 2021 को एक बयान में कहा कि एक हजार टन की पहली खेप 11 फरवरी 2021 को सीरिया पहुंच गई।सीरिया में भारत के राजदूत हिफजुर रहमान ने वहां के स्थानीय प्रशासन मंत्री और राहत समिति के प्रमुख हुसैन मुखलौफ को पहली खेप सौंपी थी। शेष एक हजार टन चावल भी 18 फरवरी तक सीरिया पहुंच जाने की उम्मीद है।

बाइडेन का पहला मिलिट्री एक्शन

अमेरिका ने सीरिया में हवाई हमले किए, ईरान समर्थक आतंकी ठिकानों को उड़ाया; कई आतंकियों की मौत

सीरिया। 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले जो बाइडेन ने पहला मिलिट्री एक्शन लिया। तड़के अमेरिकी एयरफोर्स ने सीरिया में हमले किए। यह बमबारी सीरिया के उन दो क्षेत्र या कहें अड्डों पर की गई, जो ईरान समर्थित आतंकी गुटों के कब्जे में हैं और जहां से दो हफ्तों में दो बार इराक में अमेरिकी एयरबेस पर रॉकेट दागे गए थे। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि अमेरिकी एयरस्ट्राइक में आतंकी गुटों को कितना नुकसान हुआ।

कई आतंकी मारे गए

एयरस्ट्राइक के बाद बातचीत में एक अमेरिकी अफसर ने कहा- हमले में कई आतंकी मारे गए हैं। उन्हें काफी नुकसान हुआ है। उनके अड्डे तबाह कर दिए गए हैं। इससे ज्यादा जानकारी

फिलहाल नहीं दी सकती। हम साफ कर देना चाहते हैं कि किसी तरह की आतंकी हरकतें अमेरिका सहन नहीं कर सकेगा। हमारे रक्षा मंत्री जनरल लॉयड ऑस्टिन पहले ही यह साफ कर चुके हैं कि अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने की कोई भी साजिश कामयाब नहीं होने दी जाएगी।

दुनिया को मैसेज है ये हमला

बाइडेन को ट्रम्प की तुलना में सॉफ्ट प्रेसिडेंट कहा जा रहा है। उन्होंने पद संभालने के बाद ईरान को लेकर सख्त रवैया दिखाया है। ईरान के आतंकी गुटों ने दो हफ्तों के दौरान दो बार इदलिब में अमेरिकी एयरबेस के करीब हमले किए थे। एक व्यक्ति की मौत हुई थी। ष्टह्रह्न की रिपोर्ट बताती है कि अमेरिकी हमला साफ तौर पर दुनिया के उन देशों को यह मैसेज है कि किसी तरह की आतंकी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। पेंटागन के प्रवक्ता माइक किर्बी ने कहा- ये हमले राष्ट्रपति के ऑर्डर पर किए गए हैं।

ईरान से तनाव बढ़ेगा

सीरिया में ईरान के आतंकी गुटों के कई ठिकाने हैं। इनका इस्तेमाल सीरियाई सरकार और सेना करती है। यहीं से इराक में मौजूद अमेरिकी फौजियों को भी निशाना बनाया जाता है। हालांकि, ईरान सरकार ने हमेशा इस तरह के हमलों में अपना हाथ न होने की बात कही है, लेकिन अमेरिकी सरकार का दावा है कि ईरान की मदद के बिना इन्हें अंजाम देना नामुमकिन है। अमेरिका और ईरान के बीच पहले ही तनाव है। ईरान अपना एटमी हथियार प्रोग्राम तेज रफ्तार से बढ़ा रहा है। अमेरिका के इस हमले के बाद यह तय माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ेगा और ईरान की यह गलतफहमी भी दूर हो जाएगी कि बाइडेन पुराना समझौता लागू करेंगे।

इमरान के सांसद की टिप्पणी पर भड़के हिंदू, देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

कराची। पाकिस्तान में इमरान खान की सत्तारूढ़ पार्टी तहरीक ए इंसाफ के सांसद अमीर लियाकत हुसैन की ट्विटर पर एक टिप्पणी से वहां हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यक भड़क गए हैं। सभी ने देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दे दी।

सांसद ने विपक्षी नेता मरयम नवाज का मजाक उड़ाने के लिए हिंदू देवी की तस्वीर के साथ ट्विटर पर टिप्पणी की थी। हालात बिगड़ते देख सांसद ने अब ट्वीट डिलीट करते हुए माफी मांगी है। इमरान की पार्टी के ही प्रतिनिधि रमेश कुमार वंकबानी ने इस घटना को शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में ईशनिंदा में सांसद के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इसी पार्टी के उमर कोट सिंध के नेता लाल माल्ही ने इमरान खान से सांसद के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा है।मामले को लेकर पाकिस्तान में इंटरनेट मीडिया पर भी सांसद को ट्रोल किया जाने लगा। देश ही नहीं विदेशों से भी टिप्पणी आने लगीं। सांसद के साथ पाक के प्रधानमंत्री इमरान खान को भी जमकर कोसा गया।

चीन का नया पैंतरा:हॉन्गकॉन्ग के 7000 साल पुराने इतिहास को मिटाकर दोबारा लिखवाई किताबें

726 करोड़ रुपये खर्च किए

बीजिंग। हॉन्गकॉन्ग में विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू हो चुका है। इससे अब चीन को डर है कि हॉन्गकॉन्ग के युवा उससे बगावत कर प्रदर्शन शुरू न कर दें। इसलिए उसने हॉन्गकॉन्ग की नई पीढ़ी को अपने वश में करने की ठान ली है। चीन की जिनपिंग सरकार ने हॉन्गकॉन्ग के स्कूल-कॉलेजो में चीन के प्रति वफादारी का पाठ पढ़ाना शुरू कर दिया है।

ड्रैगन ने हॉन्गकॉन्ग के 7000 साल पुराने इतिहास को मिटा दिया है। साथ ही 100 मिलियन डॉलर (726 करोड़ रुपए) खर्च कर इतिहास की नई किताबें लिखवाई हैं। इनमें से एक किताब 800 पेज की है। इसमें चीन ने अपना गुणगान किया है और खुद को हॉन्गकॉन्ग का रक्षक बताया है। इन किताबों में चीन की पीपुल लिबरेशन आर्मी और ग्रेट वॉल ऑफ चाइना समेत प्रमुख साइट्स के बारे में बताया गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब 2019 में बड़े पैमाने पर विरोधाभासी विरोध प्रदर्शन हुए, तो बीजिंग समर्थक अधिकारियों ने उदार मूल्यों को बढ़ावा देने और हॉन्गकॉन्ग को कट्टरपंथी बनाने के लिए शिक्षा प्रणाली को दोषी ठहराया था। उस प्रदर्शन में छोटे बच्चे भी शामिल हुए थे। इसे लेकर चीन हॉन्गकॉन्ग के बच्चों के सामने खुद को 'हीरो' के तौर पर पेश करना चाहता है। इन किताबों के जरिए बच्चे देश की

सुरक्षा के नाम पर चीन के प्रति देशप्रेम सीखेंगे। यानी वे कुल मिलाकर चीन से विद्रोह न करने की सीख लेंगे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सिर्फ हॉन्गकॉन्ग ही नहीं, बल्कि मकाऊ के लोग भी खुद को चीन का हिस्सा मानने का पाठ सीखेंगे। चीन मकाऊ को भी अपना हिस्सा मानता है। यह चीन का विशेष प्रशासनिक क्षेत्र है। चीन ने इसे एक समझौते के तहत 1999 में पुर्तगाल को सौंपा था।

तियानमेन नरसंहार को भी हटाया

1989 में लोकतंत्र बहाली को लेकर जन आंदोलन हुआ था। उस दौरान बीजिंग स्थित तियानमेन चौक पर एक लाख से ज्यादा छात्र जुटे थे। इस विद्रोह को कुचलने के लिए चीन ने मार्शल लॉ लगाया था। फिर तोपों और टैंकों से प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतार दिया था। चीन ने इस ऐतिहासिक घटना को भी किताबों से हटा दिया है।

कोरोना दुनिया में : फ्रांस में एक दिन में 25 हजार से ज्यादा नए मामले, अब यहां फिर लॉकडाउन की तैयारी

न्यूर्याक। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.35 करोड़ से ज्यादा हो गया। 8 करोड़ 91 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 25 लाख 18 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

फ्रांस में फिर हालात बिगड़े

फ्रांस सरकार ने देश में एक बार फिर लॉकडाउन की तैयारी कर ली है। हालांकि, इस बार यह नेशनल लेवल पर न होकर रीजनल लेवल पर होगा। आसान भाषा में समझें तो कुछ सीमित क्षेत्र में ही लॉकडाउन लगाया जाएगा। उन क्षेत्रों में सख्ती ज्यादा होगी, जहां मामले तेजी से बढ़ रहे हैं या जहां क्लस्टर मिले हैं। प्राइम मिनिस्टर जीन कास्टेक्स ने गुरुवार रात लॉकडाउन पर विचार किए जाने की पुष्टि की। फ्रांस में 25 हजार 435 मामले सामने आए। ये कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं, इसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले पूरे हफ्ते में 22 हजार 501 मामले सामने आए थे। यानी जो

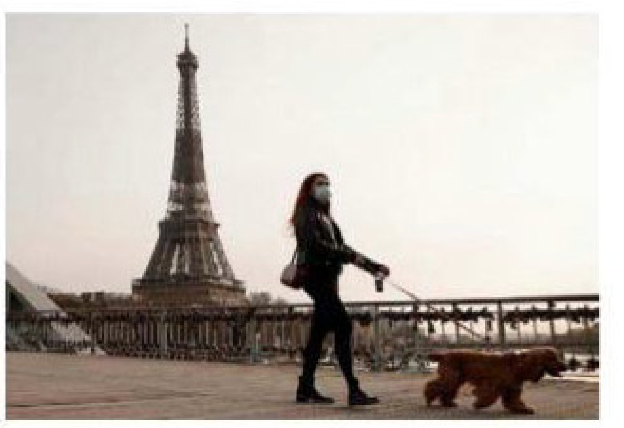

संख्या दर्ज की गई वो पिछले एक हफ्ते के कुल मामलों से काफी ज्यादा है। फ्रांस में दो महीने पहले ही नेशनल लॉकडाउन हटाया गया था।

साउथ कोरिया में वैक्सीनेशन शुरू

साउथ कोरिया सरकार ने लंबे विचार विमर्श के बाद आखिर देश में वैक्सीनेशन शुरू करने का फैसला कर लिया। सरकार ने कहा है कि शनिवार से वैक्सीनेशन शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए तमाम तैयारियां कर ली गई हैं। शनिवार को पहली बार वैक्सीनेशन के लिए कुल एक लाख 17 हजार लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। साउथ कोरिया सरकार ने एस्ट्राजेनिका वैक्सीन को मंजूरी दी है। जिन लोगों को वैक्सीन का पहला डोज दिया जाएगा उनमें 55 हजार हेल्थ केयर वर्कर्स हैं। साउथ कोरिया के सियोल में वैक्सीनेशन की तैयारियों का जायजा लेते हेल्थ वर्कर्स। यहां शनिवार से वैक्सीनेशन शुरू किया जाना है।

साउथ कोरिया के सियोल में गुरुवार को वैक्सीनेशन की तैयारियों का जायजा लेते हेल्थ वर्कर्स। यहां शनिवार से वैक्सीनेशन शुरू किया जाना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के कई देशों तक कोरोना वैक्सीन भेजने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। WHO के चीफ टेड्रोस ग्रेब्रेयेसस ने गुरुवार को कहा, भारत की तरफ से कोविड-19 वैक्सीन को साझा करने की वजह से 60 से ज्यादा देशों में टीकाकरण शुरू हो पाया है। अब ये देश स्वास्थ्यकर्मियों और प्राइमरी ग्रुप्स को वैक्सीन लगा पा रहे हैं। उम्मीद है बाकी देश भी आपकी पहल को फॉलो करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत ने अब तक कोविड-19 टीके की 361.91 लाख डोज दुनिया केअलग-अलग देशों को भेजी हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रम्प का फैसला पलटा: जो बाइडेन ने ग्रीन कार्ड पर लगी रोक हटाई, कहा- दूसरे देशों के टेलेंट को रोकना हमारे हित में नहीं

न्यूर्याक। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का एक और फैसला पलटते हुए ग्रीन कार्ड पर लगी रोक हटा दी है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने कोरोना महामारी के कारण बढ़ती बेरोजगारी से निपटने का हवाला देते हुए 2020 के अंत तक ग्रीन कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी, जिसे 31 दिसंबर को उन्होंने मार्च अंत तक के लिए बढ़ा दिया था। बाइडेन के इस फैसले से अमेरिका में एच-1 बी वीजा पर काम करने वाले लाखों भारतीयों को फायदा होगा।

बाइडेन ने कहा कि लोगों को कानूनी तौर पर अमेरिका आने से रोकना देश हित में नहीं है। यह अमेरिका के उद्योगों को भी प्रभावित करता है, जिसका विश्वभर के प्रतिभाशाली लोग हिस्सा हैं।

क्या है ग्रीन कार्ड प्लान?

काम के लिए दूसरे देशों से आने वाले लोगों को अमेरिका ग्रीन कार्ड जारी करता है। इसकी वैलिडिटी 10 साल होती है। इसके बाद इसे रिन्यू कराना होता है। यह एक तरह से अमेरिका का परमानेंट रेजिडेंट कार्ड है। इसका रंग हरा होता है, इसलिए इसे ग्रीन कार्ड कहा जाने लगा। अब तक अमेरिका ने हर देश के लिए 7त्न का कोटा तय कर रखा था। बाकी लोग वेटिंग लिस्ट में चले जाते थे। समय के साथ वेटिंग लिस्ट लंबी होती गई। एक अनुमान के मुताबिक, करीब 20 लाख लोग ऐसे हैं जो ग्रीन कार्ड मिलने का इंतजार कर रहे हैं। नए कानून से यह लिमिट हट जाएगी। अब मेरिट के आधार पर ग्रीन कार्ड मिला करेगा। हर साल अमेरिका 85,000 नए एच-1 बी वीजा देता है। इनमें से लगभग 70फीसदी यानी 60,000 वीजा भारतीय IT पेशेवरों के लिए जारी किए जाते हैं। नए वीजा का रजिस्ट्रेशन 9 मार्च से शुरू होगा, जो 25 मार्च तक चलेगा। 31 मार्च को लॉटरी सिस्टम से सफल आवेदकों की घोषणा की जाएगी।

FATF की ग्रे लिस्ट में ही रहेगा पाकिस्तान:टॉस्क फोर्स ने कहा- आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर सका पाक, जून तक जारी रहेंगे प्रतिबंध

पेरिस/इस्लामाबाद। फाइनेंशिल ऐक्शन टॉस्क फोर्स ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में ही रखे जाने पर फिर से मुहर लगा दी है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई वर्चुअल मीटिंग में इसका फैसला हुआ। FATF के मुताबिक, पाकिस्तानी सरकार निर्धारित समय सीमा में आतंकवाद के खिलाफ 27 में से तीन एजेंडे पूरा करने में विफल रही है। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधित आतंकवादियों के खिलाफ भी उसने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। इसलिए जून 2021 तक सारे एजेंडे पूरे होने तक प्रतिबंध जारी रहेगा।

फ्रांस के पेरिस में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के 38 मेंबर्स की अहम मीटिंग 21 फरवरी को शुरू हुई थी। अंतिम दिन था। नजरें इस बात पर थी कि टेरर फाइनेंसिंग पर नजर रखने वाली यह संस्था पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट करती है या उसे कुछ और वक्त देते हुए ग्रे लिस्ट में रखने का फैसला करती है। बहरहाल, पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट में बने रहने से उसके सामने दिक्कतें बढ़ेंगी।

पाकिस्तान तीसरी बार ग्रे लिस्ट में

पाकिस्तान तीन साल से ग्रे लिस्ट में है। 2018 में उसे इस लिस्ट में रखा गया था। स्नञ्जस्न ने पिछले साल उसे 27 पॉइंट का एक प्रोग्राम सौंपा था। संगठन ने कहा था कि न सिर्फ इन शर्तों को पूरा करना है बल्कि, इसके पुख्ता सबूत भी देने होंगे। इमरान सरकार की कार्रवाई से FATF संतुष्ट नहीं है। पाकिस्तान 2012 में पहली बार ग्रे लिस्ट में रखा गया। तीन साल बाद 2015 में इस लिस्ट से हटा। 2018 में फिर उसके खिलाफ पुख्ता सबूत मिले और तब से अब तक वो ग्रे लिस्ट में है। पिछली बार 27 में से 21 शर्तें ही पूरी कीं

FATF के चेयरमैन मार्क्स पेलर के मुताबिक- पाकिस्तान को टेरर फंडिंग की जांच करने की जरूरत है। पाकिस्तान ने 27 में से 21 पॉइंट्स को पूरा किया है। बाकी 6 पॉइंट्स बेहद गंभीर हैं, जिस पर काम करने की जरूरत है। सरकार को इन पॉइंट्स को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। इन्हें पूरा करने की समय-सीमा खत्म हो गई है। पाकिस्तान को फरवरी 2021 तक सभी प्लान को पूरा करने के लिए कहा गया था।

क्या है स्नञ्जस्न

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स को संक्षिप्त रूप में FATF कहा जाता है। 1989 में दुनिया की सात आर्थिक महाशक्तियों (त्र7) ने इसकी स्थापना की थी। 38 देश इसके सदस्य हैं। फ्रांस के पेरिस में इसका हेडक्वॉर्टर है। यह संस्था आतंकवाद या हिंसा फैलाने वाले गुटों की फंडिंग और फाइनेंस से जुड़े मामलों पर नजर रखती है। मोटे तौर पर FATF की क्लीन चिट के बाद ही दुनिया के बड़े आर्थिक संगठन जैसे वर्ल्ड बैंक या IMF किसी देश को कर्ज या आर्थिक सहायता देते हैं। कई बार ब्याज दरें भी FATF की रिकमंडेशन्स के आधार पर तय की जाती है।

क्या है ब्लैक और ग्रे लिस्ट

इस मामले में एक रोचक तथ्य यह है कि FATF की टर्मिनालॉजी में ब्लैक या ग्रे लिस्ट जैसे शब्द ही नहीं हैं। दरअसल, जिस देश पर सबसे सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं, उसे सामान्य तौर पर ब्लैक लिस्ट कहा जाता है। जिस मुल्क पर थोड़े कम सख्त प्रतिबंध लगते हैं या जो वॉच लिस्ट में होता है उसे ग्रे लिस्ट में माना जाता है।

ब्लैक और ग्रे लिस्ट में होने के मायने

अगर अपने एक्सपर्ट्स की रिपोर्ट्स के आधार पर FATF को यह लगता है कि कोई देश आतंकी गुटों पर निर्णायक और सबूतों के साथ कार्रवाई नहीं कर रहा है तो उस देश को ब्लैक लिस्ट किया जाता है। ब्लैक लिस्ट होने के बाद संबधित देश को दुनिया के किसी भी आर्थिक संगठन जैसे वर्ल्ड बैंक, ढ्ढरूस्न, एशियन डेवलपमेंट बैंक और श्व से किसी तरह के लोन नहीं मिल सकते।

ग्रे लिस्ट में उन देशों को रखा जाता है जिन पर शक होता है कि वे आतंकवादी गुटों या संगठनों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं कर पाए हैं। मोटे तौर पर ग्रे लिस्ट का मतलब सख्त निगरानी से है। इसके लिए FATF शर्तें रखता है और संबंधित देश को तय वक्त में इन्हें पूरा करना होता है। FATF मैदानी हकीकत जानने के लिए टीम भेजती है।

दिल्ली में दो दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें, बगैर बार कोड की बोतल मिली तो होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग ने राजधानी के सभी क्लब, होटल और रेस्टोरेंट को बिना बार कोड वाली बोतलों से ग्राहकों को शराब परोसते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। आबकारी विभाग ने यह कदम एक औचक निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के बाद उठाया गया है। निरीक्षण में पाया गया कि कुछ बार में परोसी जा रही शराब और बीयर की बोतलों पर बार कोड नहीं था और जिन पर लगा था वह पढ़ने योग्य नहीं था।इस संबंध में उपायुक्त

(आबकारी विभाग) रंजीत सिंह ने बताया कि बोतल पर बार कोड न होने को लाइसेंस प्राप्त परिसर में बिना शुल्क भुगतान की गई शराब के रूप में माना जाएगा और दिल्ली आबकारी अधिनियम 2009 और दिल्ली आबकारी नियम, 2010 के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पिछले साल कोरोना के चलते लगे लाकडाउन के दौरान आबकारी विभाग ने वित्तीय घाटे को कम करने के लिए 15 जुलाई तक एक्सपायर होने वाले बीयर के स्टाक को शराब की दुकानों पर बेचने की अनुमति दी थी। राजधानी में 1,000 से अधिक होटल, क्लब और रेस्तरां व बार हैं, जिनके पास अपने ग्राहकों को शराब परोसने के लिए लाइसेंस है। उपायुक्त ने इन सभी प्रतिष्ठानों को निर्देश दिया है कि वे 2डी बार कोड पर सेलो टेप चिपकाएं, ताकि बोतल से शराब परोसते समय यह खराब न हो।

28 फरवरी और 3 मार्च को बंद रहेंगी शराब की दुकानें

दिल्ली में 28 फरवरी और तीन मार्च को सभी शराब की दुकानें बंद रहेंगी। राजधानी में रविवार को नगर निगम के पांच वार्डों में चुनाव होगा। जबकि तीन मार्च को इसके नतीजे घोषित किए जाएंगे। इसलिए आबकारी आयुक्त संजय गोयल ने दो दिन शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।

दिल्ली की सबसे ऊंची इमारत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की तैयारी, एमसीडी ने तैयार किया प्लान

नई दिल्ली। नई दिल्ली, जागरण संवाददाता। दिल्ली की सबसे ऊंची इमारत उत्तरी दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में अब सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की संभावनाओं को टटोला जाने लगा है। इसको लेकर महापौर जय प्रकाश ने स्थायी समिति अध्यक्ष जय प्रकाश और नेता सदन योगेश वर्मा व अधिकारियों के साथ निगम की छत का निरीक्षण किया और सौर ऊर्जा के पैनल लगाने की

संभावनाओं की समीक्षा की। वैसे, इससे पहले भी सिविक सेंटर पर ग्लास हाउस बनाने या फिर पर्यटन स्थल बनाने की बातें हुई थीं, लेकिन वह परवान नहीं चढ़ सकीं। हालांकि, महापौर आश्वस्त हैं कि वे यहां सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि निगम मुख्यालय की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगने से बिजली के बिल में 15 लाख रुपये की बचत होगी। इस अवसर पर उन्होंने निगम मुख्यालय के साथ निगम के अन्य भवनों में ऊर्जा संयंत्र लगाने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि नगर निगम ने 164 निगम विद्यालयों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाए हैं, जबकि 90 विद्यालयों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का प्रस्ताव प्रगति पर है। उल्लेखनीय है कि सिविक सेंटर का नाम राजधानी की सबसे ऊंची इमारत में शुमार है। 28 मंजिला यह इमारत वर्ष 2010 में बनकर तैयार हुई थी। यहां फिलहाल उत्तरी व दक्षिणी नगर निगम का मुख्यालय होने के साथ आयकर विभाग का कार्यालय भी चलता है। इमारत का मालिकाना हक उत्तरी निगम के पास है।

वहीं, आइपी एक्सटेंशन स्थित जोशी कालोनी में शांति देवी मित्तल फाउंडेशन द्वारा नवनिर्मित भवन में कौशल विकास केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ दिल्ली प्रांत के कार्यकारिणी सदस्य दयानंद ने कहा कि हर प्राणी की सेवा करना मनुष्य का कर्तव्य है। भारत को विश्व गुरु के नाम से जाना जाता था, क्योंकि हमारे देश में समाज द्वारा ही समाज व्यवस्था की जाती थी। स्थानीय विधायक ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि इस निश्शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुरू होने से जरूरतमंद लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही लोग स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित होंगे। वहीं, फाउंडेशन के संरक्षक समाज सेवी सुरेश बिंदल ने बताया कि ने बताया कि स्केट्स होप सेंटर द्वारा केंद्र को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे लोगों को निश्शुल्क लाभ प्राप्त होगा। इस केंद्र में सिलाई, कंप्यूटर, सौंदर्य प्रसाधक, शिक्षा आदि का निश्शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से निवेदन करते हुए कहा कि पैसे व पसीने की मान्यता एक समान है, लोग श्रम दान करके भी इस केंद्र के संचालन में सहयोग कर सकते हैं।

भाजपा ने प्रदूषण के मुद्दे पर दिल्ली सरकार को घेरा, लगाए कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। प्रदूषण के मुद्दे पर केजरीवाल सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि ग्रीन पीस की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में प्रदूषण से 54 हजार लोगों की मौत हुई। वायु प्रदूषण की वजह से दिल्लीवासियों को फेफड़े की बीमारी हो रही है। कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। दिल की बीमारी हो रही है। प्रत्येक छठा बच्चा बीमार हो रहा है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार हमेशा दावा करती रही है कि वह प्रदूषण की समस्या हल करने को लेकर गंभीर है, लेकिन हकीकत कुछ और है। प्रदूषण की समस्या हल करने के लिए ग्रीन बजट पेश

किया गया था जिसमें 24 कदम उठाने की बात कही गई थी। इलेक्ट्रिक बसें खरीदने, एंटी स्माग टावर लगाने, छह करोड़ पौधे लगाने की बात हुई थी। कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया। पिछले चार सालों में ग्रीन सेस के तौर पर 883 करोड़ रुपये लोगों से इकट्ठा किया गया। इसमें से मात्र 1.16 फीसद इसमें से खर्च किया गया।

पराली से दिल्ली में प्रदूषण होने की बात करते थे। अब पराली नहीं जल रहे हैं फिर भी प्रदूषण है। इसका कारण बताना चाहिए।

पराली से खाद बनाने के लिए सरकार ने सिर्फ 40 हजार रुपये के डिकंपोजर खरीदे गए। ग्रीन पीस की रिपोर्ट आने के बाद सरकार ने सिर्फ एक कमेटी बना दी है। सरकार की लापरवाही का खामियाजा दिल्लीवासियों को उठाना पड़ रहा है। धूमपान नहीं करने वाले लोग भी फेफड़े के कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए आड इवेन सहित अन्य कदम से प्रदूषण खत्म नहीं हुआ अब क्या करने जा रहे हैं। प्रदूषण की समस्या हल करने के लिए सरकार वैज्ञानिक तरीके से काम नहीं कर रही है। नगर निगम सहित अन्य एजेंसियों को साथ लेकर काम करने की जरूरत है, लेकिन सरकार ऐसा नही कर रही है। धूल से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए सड़कों की दशा सुधारनी होगी।

सरकार सड़कों की दशा सुधारने पर ध्यान नहीं दे रही है। हाई कोर्ट व एनजीटी की चिंता जताने के बावजूद वायु प्रदूषण की दशा सुधारने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि यमुना को साफ करने के लिए भी कोई कदम नहीं उठाया गया। अधिकांश एसटीपी प्लांट सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं जिससे लोग दूषित जल पीने को मजबूर हैं।

विश्व हिंदू परिषद : रामकाज में लोगों की भागीदारी अद्भुत, एएचपी नेता आलोक कुमार ने की तारीफ

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ओर से राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण को लेकर चलाए रहे निधि समर्पण अभियान का समापन शनिवार को हो जाएगा। 44 दिन के इस अभियान का शुभारंभ 15 जनवरी को हुआ था। इसके माध्यम से देशभर में 13 करोड़ परिवारों के 65 करोड़ से भी अधिक तक पहुंचने का लक्ष्य था।

विशेष बात यह है कि इसमें खास से लेकर आम तक भागीदार बने। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने श्रद्धापूर्वक अर्पण राशि अर्पित की तो दिहाड़ी मजदूर और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों तक में उल्लास देखने को मिला। विहिप के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान है।

इसमें जनभागीदारी अद्भुत रही। इस ऐतिहासिक अभियान को इतिहास में याद रखा जाएगा। अंतिम आंकड़े जुटाने में कुछ दिन लगेंगे तो भी कह सकते हैं कि

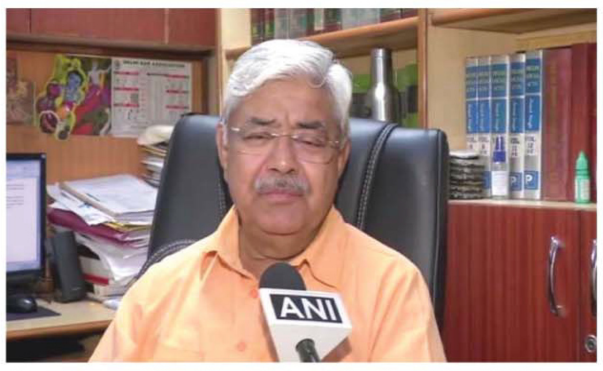

पांच लाख गांवों में हमारे स्वयंसेवक पहुंचे और 12 से 13 करोड़ परिवारों ने अपना सहयोग दिया है। पहली बार बड़ी संख्या में संत समाज सड़कों पर आए और उन्होंने समाज के आगे झोली फैलाई। लोगों ने आदरपूर्वक उनका सत्कार किया।इसी तरह समाज के विभिन्न संगठनों व राजनीतिक दलों ने भी दिल खोलकर स्वागत किया। यह निधि अर्पण के जरिये लोगों में रामत्व का प्रसार व देश को एकजुट करने का अवसर था। हम इसमें सफल हुए हैं।अभियान के संपन्न होने में जब चंद घंटे बचे हैं तो विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने रामभक्तों से अपील की है कि वे यह देखें कि परिवार का कोई सदस्य, रिश्तेदार, मित्र, पड़ोसी या कारोबारी सहयोगी इस पवित्र कार्य से वंचित न रह जाए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमसे जुड़े सभी लोग जैसे चालक व सफाई कर्मचारी समेत अन्य भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर बनने वाले भव्य-दिव्य मंदिर से जुड़ने के अनुपम व पवित्र अवसर से वंचित न रह जाएं।उन्होंने बताया कि इस अभियान में लगे 40 लाख से अधिक स्वयंसेवकों की ओर से प्राप्त स्वैच्छिक योगदान, श्रीराम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बैंक खातों में जमा किया जा रहा है। संबंधित रसीद या कूपन संख्या के साथ संग्रह विवरण को दैनिक रूप से एक एप के माध्यम से अपडेट किया जा रहा है। इस एप को ट्रस्ट की ओर से विशेष रूप से इसी उद्देश्य के लिए तैयार किया गया है।

चांदनी चौक में लोडिंग-अनलोडिंग के लिए मिले जगह : भारत आहूजा

नई दिल्ली। दिल्ली इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भारत आहूजा ने चांदनी चौक में लोडिंग-अनलोडिंग में आ रही समस्या को दूर करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि शाहजहांनाबाद पुनर्विकास परियोजना के तहत चांदनी चौक का विकास हो रहा है, पर इस विकास में चांदनी चौक के थोक व खुदरा बाजारों को ध्यान में नहीं रखा गया है।

स्थान चिन्हित नहीं होने से परेशानी

इसलिए परियोजना पर काम शुरू होने के दो वर्ष से भी अधिक का समय बीतने के बाद भी अब तक लोडिंग-अनलोडिंग के लिए कोई स्थान चिन्हित नहीं किया गया है। यह बातें बस अधिकारियों के साथ विमर्श और आश्वासनों तक ही सीमित है, जबकि इस कारण 50 हजार से ज्यादा कारोबारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

चांदनी चौक में दिन में प्रतिबंधित है लोडिंग-अनलोडिंग

चांदनी चौक में दिन में लोडिंग-अनलोडिंग प्रतिबंधित है तो लाल जैन मंदिर से फतेहपुरी मस्जिद तक बन रहे नए मोटर वाहन रहित मार्ग पर वाहनों के चलने के साथ माल की ढुलाई पर रोक है। अगर कोई ऐसा करता है तो उसे भारी जुर्माना पड़ता है। यह खराब स्थिति है, क्योंकि चांदनी चौक की पहचान कारोबारी हब के तौर पर भी है, पर इस मुगलकालीन शहर के पुनर्विकास की रूपरेखा तय करते समय इनका जरा भी ध्यान नहीं रखा गया है।

उन्होंने कहा कि जब तक बातचीत आगे बढ़ती है और अधिकारियों को यह बातें समझाने में कामयाब होते हैं, तब तक उनका स्थानांतरण हो जाता है। नगर निगम की उपायुक्त को इस संबंध में यहां के कारोबारी संगठनों की ओर से लोडिंग-अनलोडिंग को लेकर रूपरेखा सौंपी गई थी। उस पर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

दिल्ली में सुधरेगी यमुना रिवर फ्रंट की दशा, एलजी अनिल बैजल ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना के दोनों किनारों पर करीब 1,476 हैक्टेयर में फैले डूब क्षेत्र के पुनर्विकास और किनारों को सुंदर बनाने वाले दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट यमुना रिवर फ्रंट की प्रगति का जायजा लेने के लिए उपराज्यपाल (एलजी) एवं डीडीए के अध्यक्ष अनिल बैजल ने शुक्रवार को डीडीए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान एलजी ने निर्देश दिए कि इस क्षेत्र में जीरो वेस्ट शौचालय, पीने का पानी, बाहर बैठने के लिए सुविधाएं, सोलर लाइट आदि की व्यवस्था भी की जाए, ताकि यहां ज्यादा से लोग आ सकें।

इस प्रोजेक्ट को दस हिस्सों में विकसित किया जा रहा है, जिसके तहत यमुना के पांच किलोमीटर के हिस्से को पुनर्विकसित किया जाएगा। हाल ही में डीडीए ने अपने बजट में इस प्रोजेक्ट के लिए 105 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। यह इलाका इस तरह से विकसित किया जाएगा यहां आने वाले पर्यटक खुद को यमुना और प्रकृति से जुड़ा हुआ महसूस करें।

इस प्रोजेक्ट से यमुना को प्रदूषण से बचाने और वन्य जीवों को सहारा देने वाले स्थानीय वातावरण के अनुकूल पौधों की विविध प्रजातियों के विकास में भी मदद मिलेगी।

इस इलाके में बड़ा वोटिंग क्लब भी खोला जाएगा और

यमुना में गिरने वाले नालों को नदी से अलग कर दिया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट को दस हिस्सों में विकसित किया जा रहा है, जिसके तहत यमुना के पांच किलोमीटर के हिस्से को पुनर्विकसित किया जाएगा। हाल ही में डीडीए ने अपने बजट में इस प्रोजेक्ट के लिए 105 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है।

योजना में ये इलाके होंगे शामिल

इस योजना में पुराने रेलवे पुल व गीता कालोनी पुल से आइटीओ बैराज (पश्चिमी तट), पुराने रेलवे पुल से आइटीओ बैराज (पूर्वी तट), एनएच 24 से डीएनडी फ्लाई-वे (पश्चिमी तट), डीएनडी से प्रस्तावित कालिंदी बाइपास (पश्चिमी तट), एनएच 24 से डीएनडी फ्लाई-वे (पूर्वी तट) भाग एक, एनएच 24 से डीएनडी फ्लाई-वे (पूर्वी तट) भाग दो, वजीराबाद बैराज से आइएसबीटी पुल (पूर्वी तट) गढ़ी मांडू और उस्मानपुर गांव के आसपास, वजीराबाद से आइएसबीटी पुल (पूर्वी तट) और आइटीओ बैराज से एनएच 24 (पूर्वी तट) शामिल हैं।

राजस्थान की धूल से परेशान होंगे दिल्ली-एनसीआर के करोड़ों लोग

नई दिल्ली। ठंड की विदाई के बाद बढ़ती गर्मी के बीच दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता स्तर में काफी सुधार देखने को मिल रहा है। शनिवार को भी वायु गुणवत्ता स्तर पर सुधार दिखाई दिया, बावजूद इसके यह दिल्ली-एनसीआर के करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए बहुत अधिक खतरनाक है। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में शनिवार को 200 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पर प्रति घंटा औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन आने वाले दिनों में इसके बिगड़ने की संभावना है। वायु प्रदूषण की निगरानी करने वाले पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की संस्था इंडिया सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च के मुताबिक, AQI अगले दो दिनों में खराब श्रेणी में रहेगी और वायु प्रदूषण में गिरावट का अनुमान है। हवा की गति में वृद्धि के प्रभाव से राजस्थान के शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्र से धूल के उत्सर्जन में वृद्धि के चलते वायु प्रदूषण में इजाफा होगा। केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड का कहना है कि हालांकि, वायु प्रदूषण में सुधार, लेकिन दिल्ली के मुंडका इलाके में,त्तह्न 300 से अधिक रहा। इसी के साथ फरीदाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा में वायु गुणवत्ता स्तर खराब श्रेणी में ही रहा। वहीं, गाजियाबाद भी वायु प्रदूषण के चलते लोगों को परेशान हुई।

खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए बहुत अधिक खतरनाक है। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में शनिवार को 200 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पर प्रति घंटा औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन आने वाले दिनों में इसके बिगड़ने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो बदलते मौसम के चलते दिल्ली- एनसीआर की हवा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। शुक्रवार को वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी से खराब श्रेणी में पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तरफ से जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार शुक्रवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 229 दर्ज किया गया। दूसरी ओर फरीदाबाद का एक्यूआइ 207, गाजियाबाद का 252, ग्रेटर नोएडा का 214, गुरुग्राम का 208 व नोएडा का 201 रहा।

पूर्वी दिल्ली के अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार की राह होगी आसान, बजट में हो सकता बड़ा एलान

नई दिल्ली। मार्च में पेश होने जा रहा वर्ष 2021-22 का बजट पूर्वी दिल्ली के अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार की राह आसान करेगा। बजट में इस परियोजना के लिए राशि निर्धारित होने की पूरी उम्मीद है। इससे अगले वित्त वर्ष में फ्लाईओवर बनाने का काम शुरू हो सकेगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) इस परियोजना पर काम करेगा। यहां फ्लाईओवर बन जाने से लोगों को अप्सरा बार्डर से आनंद विहार तक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा।

क्या है योजना

उत्तरी पूर्वी दिल्ली से आनंद विहार बस अड्डे और रेलवे स्टेशन तक की आवाजाही आसान करने के लिए अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार जाने वाले मुख्य मार्ग को सिग्नल फ्री किया जाएगा। इस मार्ग पर स्थित दो लालबत्तियों के ऊपर छह लेन का दोतरफा फ्लाईओवर बनाया जाएगा, जिसकी लंबाई दो किलोमीटर की होगी। इस योजना पर 380 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

ये लालबत्तियां होंगी सिग्नल फ्री: पीडब्ल्यूडी ने विवेक विहार और सूर्यनगर तथा रामप्रस्थ के सामने दिल्ली के क्षेत्र में लालबत्तियों पर फ्लाईओवर का प्रारूप तैयार किया है। फ्लाईओवर बन जाने पर लालबत्तियां हट जाएंगी। अप्सरा बॉर्डर से गाजीपुर चौराहे तक यातायात सिग्नल मुक्त बनाया जाएगा।

प्रस्तावित छह लेन का यह फ्लाईओवर दक्षिण की ओर श्रेष्ठ विहार जंक्शन के पहले शुरू होगा और उत्तर की ओर विवेक विहार चौराहे को पार करने के बाद समाप्त होगा। श्रेष्ठ विहार चौराहे और रामप्रस्थ चौराहे के निकट इस एलिवेटेड कॉरिडोर को जोड़ने के लिए उतार-चढ़ाव वाले रैंप बनाए जाएंगे। इसके निर्माण के बाद विवेक विहार, रामप्रस्थ कॉलोनी और आनंद विहार सहित अन्य समीपवर्ती आवासीय कॉलोनियों का स्थानीय यातायात भी सुगम बनेगा।

लोक निर्माण विभाग ने परियोजना का प्रारूप तैयार कर दिया है। इसे यूटिपेक यानी यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर (प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग) सेंटर से सितंबर में उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंजूरी दे दी गई है। इसके बाद इस प्रारूप को दिल्ली अर्बन आर्ट कमीशन में भेजा गया था। वहां से भी इसे स्वीकृति मिल चुकी है। पीडब्ल्यूडी ने वित्तीय अनुमति के लिए इसे दिल्ली सरकार की खर्च एवं वित्त समिति में भेज दिया है। बजट पेश होने के बाद इस परियोजना को इस समिति से अनुमति मिलने की उम्मीद है।

जल्द शुरू होगा परियोजना पर काम

यह प्रस्तावित फ्लाईओवर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल के विधानसभा क्षेत्र में आता है। गोयल लोक निर्माण विभाग और दिल्ली सरकार पर योजना पर काम जल्द शुरू करने के लिए दबाव बनाए हुए हैं। गोयल ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण परियोजना है। सभी प्रमुख एजेंसियों से इसे अनुमति मिल चुकी है। कोरोना काल के चलते इस पर काम शुरू नहीं हो सका। अगले वित्त वर्ष में इस पर काम शुरू होने की पूरी उम्मीद है। गौरतलब है कि आनंद विहार में अंतरराज्यीय बस अड्डा और रेलवे स्टेशन होने के कारण यहां से जुड़ने वाले मार्गों पर यातायात का दबाव काफी बढ़ चुका है। आनंद विहार स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या बढ़ने से यात्रियों की संख्या भी बढ़ रही है। पूर्वोत्तर के लिए कई ट्रेनें आनंद विहार से ही चलती हैं, लेकिन उत्तर पूर्वी दिल्ली से यहां पहुंचने के लिए आज भी लोगों को लालबत्तियों के फेर से जाम में फंसना पड़ता है।

संपादकीय

जैसे को तैसा का सियासी दांव

अरसे पहले भाजपा के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विषय में मुझे यह बताया था कि मजबूत संकल्प शक्ति उनका सबसे बड़ा राजनीतिक गुण है। निस्संदेह, हर इंसान की कुछ न कुछ चाहत होती है, लेकिन उसे कामयाबी तभी मिलती है, जब उसकी इच्छाशक्ति मजबूत हो। कार्ल मार्क्स ने भी तो यही कहा है कि कुछ हासिल करने के लिए हमें उस काम के प्रति दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करना होगा। आज पश्चिम बंगाल ऐसे ही संकल्पों का रणक्षेत्र बन गया है। भाजपा ने जिस तरह से इसे कुरुक्षेत्र का मैदान बना दिया है, उससे मुझे लालकृष्ण आडवाणी की बातें याद आ रही हैं। यहां का चुनाव जीतना अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी, दोनों का सपना रहा है। वर्षों पुरानी इस चाहत को पूरा करने के लिए मोदी-शाह की जोड़ी मैदान में उतर आई है। प्रधानमंत्री मोदी अगर देश के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) हैं, तो उनके सीओओ (मुख्य संचालन अधिकारी) हैं अमित शाह। जब अमित शाह भाजपा के अध्यक्ष बने थे, तभी उन्होंने बताया था कि पार्टी को अखिल भारतीय बनाना उनका सपना है। उन्होंने साफ-साफ कहा था कि पूर्व और दक्षिण में भाजपा कमजोर है, जिसे मजबूत बनाने की तरफ ध्यान दिया जाएगा। आज पूर्वोत्तर तक में पार्टी पहुंच गई है, जबकि दक्षिण में कर्नाटक में उसका झंडा लहरा रहा है। ऐसे में, स्वाभाविक तौर पर उनकी नजर पश्चिम बंगाल पर है, जो राजनीतिक रूप से संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से बेहद उर्वर राज्य है।

पश्चिम बंगाल ब्रिटिश राज्य में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र माना जाता था। मगर बाद के वर्षों में दिल्ली राजनीति का केंद्र बन गई, तो मुंबई आर्थिक गतिविधियों का। ले-देकर सांस्कृतिक माहौल यहां की ताकत रह बची है, वह भी लगातार छीज रही है। यहां परिवर्तन लाना और ममता बनर्जी का राजनीतिक नियंत्रण खत्म करना भाजपा का सबसे बड़ा लक्ष्य है। पार्टी बेशक इसके लिए जी-जान से जुटी है, लेकिन पार्टी नेतृत्व जानता है कि ममता को कमतर आंकना उसकी भूल साबित होगी। ममता बनर्जी एक जुझारू नेता हैं। उन्होंने सड़कों पर राजनीतिक लड़ाइयां लड़ी हैं। आज भी वह पूरा दम-खम रखती हैं।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वरिष्ठ अर्थशास्त्री प्रोफेसर मैत्रेयेश घटक ने मुझे एक बार बताया था कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की एक सफल राजनीतिक उद्यमी हैं। वह लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की एक टीम लेकर अध्ययन के लिए 2007 में पश्चिम बंगाल पहुंचे थे, जब सिंगूर का आंदोलन चल रहा था और नंदीग्राम में पुलिस फायरिंग हुई थी। ममता बनर्जी ने आम जनता की नाराजगी को अपनी राजनीतिक पूंजी बनाया और 35 वर्षों की वाम मोर्चा सरकार को उखाड़ फेंका। अमित शाह ने हाल ही में एक साक्षात्कार में माना भी है कि ममता बनर्जी का खासा राजनीतिक महत्व है, उन पर निजी रूप से मैं कोई टिप्पणी नहीं कर रहा, लेकिन बंगाल के लिए कुछ ठोस करने में वह विफल साबित हुई हैं। यही वजह है कि आज भाजपा यहां साम-दाम-दंड-भेद, हर नीति को अपना रही है। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर पर सीबीआई पहुंच चुकी है। भाजपा इस बहाने भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाना चाहती है। प्रधानमंत्री का ममता पर 'कटमनी' को लेकर हमलावर होना, उसी की एक कड़ी है। भाजपा की मंशा अभिषेक बनर्जी को निशाने पर लेकर ममता बनर्जी की छवि को खंडित करना है। मुझे याद है कि जब ज्योति बसु यहां के मुख्यमंत्री थे, तब उनके बेटे चंदन बसु के खिलाफ ऐसे ही मामला चला था। मगर आज तक यह साफ नहीं हो पाया है कि चंदन ने कितना भ्रष्टाचार किया था? हालांकि, चंदन कोई राजनीतिक चेहरा नहीं थे, जबकि अभिषेक राजनीति के एक माहिर खिलाड़ी हैं। उन पर कार्रवाई से भाजपा को कितना फायदा या नुकसान होगा, यह तो अभी साफ नहीं है, लेकिन ममता ने इसे 'पश्चिम बंगाल की बेटी' पर हमला बताया है। वह पिछले चुनाव में 'दीदी' थीं, लेकिन इस बार वह 'बेटी' बन गई हैं। यही ममता बनर्जी का राजनीतिक कौशल है। साढ़े तीन दशक की अपनी पत्रकारीय यात्रा में इतना आक्रामक चुनाव मैंने पहले नहीं देखा। इस चुनाव में भाषा का स्तर ही देखिए। जबर्दस्त तू-तू, मैं-मैं हो रही है। दोनों दल एक-दूसरे को सीधे-सीधे टक्कर दे रहे हैं। कभी-कभी लगता है कि 'बुरा न मानो अभी चुनाव है'। इसे 'चुनाव संस्कृति' की देन कहेंगे, जो आज के दिनों में सबसे बड़ी संस्कृति है। भाजपा किस तरह से अपनी तैयारी कर रही है, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि पश्चिम बंगाल चुनाव का आधिकारिक एलान अब तक नहीं हुआ है, लेकिन प्रधानमंत्री पहले से अच्छी बांग्ला बोलने लगे हैं। अमित शाह को भी स्थानीय भाषा में बोलते सुना जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस ने कभी वाम मोर्चा की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए 'परिवर्तन' का नारा दिया था, आज भाजपा उसी के खिलाफ 'असली परिवर्तन' की बात कर रही है। हालांकि, चुनाव में एक बड़ा सवाल राजनीतिक हिंसा का भी है। अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। राजनीतिक ध्रुवीकरण भी तेज हो गया है। यहां पर 28 फीसदी मतदाता मुस्लिम हैं। आम धारणा है कि ये सभी वोट ममता बनर्जी के खाते में जाते हैं, मगर मैं इससे इत्तफाक नहीं रखता। मुर्शिदाबाद, मालदा जैसे क्षेत्रों में कांग्रेस जीतती रही है। फिर, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की नजरें भी अब बंगाल पर हैं। उसने पीरजादा अब्बास सिद्दीकी को अपना चेहरा बनाने का फैसला किया है। ऐसे में, यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार ममता को कितना मुस्लिम मत मिल पाता है? जाहिर है, यहां 'जैसे को तैसा' का सियासी दांव चला जा रहा है। एक आरोप उधर से उठता है, तो दूसरे यहां से लगाए जाते हैं। हालांकि, नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी में समानताएं भी खूब हैं। दोनों जमीनी नेता हैं और उन्हें विरासत में राजनीति नहीं मिली। दोनों लोकप्रिय भी खूब हैं- मोदी देश में, तो ममता राज्य में। ऐसे में, पूरा चुनाव मोदी बनाम ममता बन गया है। हालांकि, ममता के सामने मोदी को खड़ा करना भाजपा की मजबूरी भी है, क्योंकि राज्य में उसका कोई चेहरा नहीं है। देखा जाए, तो यहां भी भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती भी है।

प्रवीण कुमार सिंह

पीएम मोदी ने जिस एफडीआइ के खतरे की ओर इशारा किया, उसके पीछे विदेशी धन की ताकत है

कुछ 'आंदोलनजीवियों' के तो विदेशी कनेक्शन हैं ही। कैसे कोई एक ही व्यक्ति जो कभी जेएनयू में अफजल गुरु की बरसी मनाने वालों के साथ होता था, वही कृषि कानून विरोधी आंदोलन के भी साथ दिखता है। वही शख्स शाहीन बाग में भी भीड़ को बौद्धिक खुराक देता नजर आता था। तोड़फोड़ एवं देशद्रोही नारे लगाने वाले तत्व बारी-बारी से तीनों जगह पाए गए हैं। इससे पता चलता है कि आज हमारे देश के सामने कितने बड़े-बड़े खतरे मौजूद हैं। उनसे हमें मुकाबला करना ही होगा। इसके लिए यह जरूरी है कि हमारा देश आर्थिक रूप से काफी मजबूत हो जाए।

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एफडीआइ की एक नई परिभाषा दी। उन्होंने कहा कि एफडीआइ यानी फॉरेन डिस्ट्रक्टिव आइडियोलॉजी। देखा जाए तो देश में इसकी नींव 1967 में ही पड़ गई थी। तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री यशवंत राव चव्हाण ने तब लोकसभा में कहा था, 'जिन दलों और नेताओं को विदेशों से धन मिले हैं, उनके नाम जाहिर नहीं किए जा सकते, क्योंकि उससे उनके हितों को नुकसान पहुंचेगा।' उनके बयान के बाद विदेश से मिले नाजायज धन को लेकर इस देश के अनेक नेताओं, संगठनों और दलों की झिझक समाप्त हो गई। उसके दुष्परिणाम आज तक नजर आ रहे हैं।

याद रहे कि तब धन पाने वालों में कांग्रेस सहित कई प्रमुख दल शामिल थे। समय बीतने के साथ इस देश की राजनीति एवं अन्य क्षेत्रों में विदेशी पैसों का दखल बढ़ता चला गया। पहले विदेशी धन का उद्देश्य सीमित था। अब न सिर्फ व्यापक हो गया है, बल्कि खतरनाक भी बन गया है। पहले विचारों को प्रभावित करने और लोगों को अपनी ओर मोड़ने के लिए विदेशी तत्वों ने भारत में पैसे झोंके, पर अब तो देश को तहस-नहस करने, अशांति फैलाने और अंततः देश को तोड़ने की कोशिश में विदेशी पैसों का इस्तेमाल हो रहा है। यह देश के खिलाफ अघोषित युद्ध जैसा है। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए तदनुसार सख्त कानून बनाने की ओर अभी केंद्र सरकार का ध्यान नहीं है। नतीजतन हमारी अदालतें भी इस नई एफडीआइ के वाहकों के खिलाफ वांछित सख्ती नहीं बरत पा रही हैं।

हालांकि 2014 के बाद एनजीओ के बहाने गलत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आने वाले विदेशी धन पर काफी हद तक रोक लगी है, पर

हवाला चैनलों पर प्रभावकारी रोक लगना अब भी बाकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस नए ढंग की एफडीआइ के खतरे की ओर इशारा किया है, उसके पीछे विदेशी धन की ताकत है।

अब यह बात छिपी हुई नहीं है कि कुछ देसी-विदेशी शक्तियों का घोषित और अघोषित उद्देश्य इस देश को तोड़ना है। काश! 1967 में ही इस स्रोत पर प्रभावी रोक लगा दी गई होती तो आज स्थिति इतनी नहीं बिगड़ती। चिंताजनक बात यह है कि बाद के वर्षों में भी विदेशी धन की आवक पर कारगर रोक नहीं लग सकी। अब जरा हम 1967 में चलें। तब आम चुनाव के बाद देश के नौ राज्यों से कांग्रेस सत्ताच्युत हो गई। लोकसभा में भी कांग्रेस का बहुमत घट गया। इस हार से चिंतित तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अनुमान लगाया कि शायद विदेशी पैसों ने चुनाव नतीजे पर असर डाला है। उन्होंने चुनावी चंदे के बारे में खुफिया एजेंसी से जांच कराई। उसकी रपट के अनुसार तब कांग्रेस सहित कई प्रमुख दलों ने चुनाव लड़ने के लिए किसी न किसी देश से धन लिया था। लोकसभा में यह मांग की गई कि सरकार उन दलों और व्यक्तियों के नाम बताए, जिन्हें विदेशी धन मिला है, पर चव्हाण ने वह मांग नहीं मानी। तब दुनिया में शीत युद्ध का दौर था। भारत सहित विभिन्न देशों में अमेरिका और सोवियत संघ अपने समर्थकों की संख्या बढ़ाने की कोशिश में लगे हुए थे। इसके लिए वे पैसे खर्च कर रहे थे। कम्युनिस्ट देश भारत में भी कम्युनिस्टों पर निर्भर सरकार चाहते थे। दूसरी ओर अमेरिका ऐसी किसी कोशिश को विफल कर देना चाहता था यानी यहां केजीबी और सीआइए, दोनों सक्रिय थे।

देश में 'सोवियत सक्रियता' का सुबूत तब मिला जब 2005 में वहां की खुफिया एजेंसी केजीबी की भारत में गतिविधियों पर लिखित पुस्तक 'द मित्रोखिन अर्काइव-दो' सामने आई। इसके अनुसार केजीबी ने भारत में विचारधारा के प्रचार और सरकारी नीतियों को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए पैसे बांटे थे। बाद में जैन हवाला कांड ने तो विदेशी धन के आगमन को और भी आसान बना दिया। पुलिस ने 25 मार्च, 1991 को श्रीनगर में अशफाक हुसैन लोन को गिरफ्तार किया। वह हिजबुल मुजाहिदीन का सदस्य था।

उसके पास से 16 लाख रुपये बरामद किए गए। वे रुपये कश्मीर में आतंकवादियों को बांटे जाने थे। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने जेएनयू के एक शोध छात्र शहाबुद्दीन गौरी को गिरफ्तार किया। उससे मिली जानकारी के आधार पर सीबीआइ ने हवाला व्यापारी जैन बंधुओं के यहां छापा मारा। उसमें भारी रकम के अलावा एक डायरी भी मिली। छानबीन से पता चला कि उन्होंने देश के 115 बड़े नेताओं और अफसरों को कुल मिलाकर 64 करोड़ रुपये दिए थे।

तब के विदेश राज्यमंत्री सलमान खुर्शीद के अनुसार चुनाव फंड में पारदर्शिता न होने के कारण हवाला कांड जैसे कांड होते हैं, पर सवाल यह भी उठा कि क्या कोई भी व्यक्ति आपको पैसे देने आएगा तो बिना उसका 'कुल-गोत्र' जाने उससे आप पैसे ले लेंगे? उसका असल परिचय जानने की कोशिश भी नहीं करेंगे? यदि तब सही से जांच हो जाती और कुछ बड़ी हस्तियों को जेल की हवा खानी पड़ती तो आज 'नई एफडीआइ' की चर्चा नहीं हो रही होती।

माना जाता है कि राजनीतिक हित सध जाने के बाद हवाला कांड में लीपापोती करा दी गई। यह लीपापोती ऐसे कांड में हुई जिसमें आतंकवाद का तत्व भी जुड़ा हुआ था। साफ है कि हवाला कारोबारियों पर शुरू से ही कड़ी नजर रखी गई होती तो आज इस देश के टुकड़े-टुकड़े गिरोह को विदेशी पैसे मिलने में दिक्कत आती। हालांकि आतंकवाद के प्रति मौजूदा शासकों का रवैया हाल के वर्षों में काफी बदला जरूर है, पर अभी बहुत कुछ करना बाकी है। आज कृषि कानून विरोधी आंदोलन के बहाने जो कुछ लोग राजसत्ता को चुनौती दे रहे हैं, उनमें से कतिपय के विदेशी कनेक्शन हैं। कुछ 'आंदोलनजीवियों' के तो विदेशी कनेक्शन हैं ही। कैसे कोई एक ही व्यक्ति जो कभी जेएनयू में अफजल गुरु की बरसी मनाने वालों के साथ होता था, वही कृषि कानून विरोधी आंदोलन के भी साथ दिखता है। वही शख्स शाहीन बाग में भी भीड़ को बौद्धिक खुराक देता नजर आता था। तोड़फोड़ एवं देशद्रोही नारे लगाने वाले तत्व बारी-बारी से तीनों जगह पाए गए हैं। इससे पता चलता है कि आज हमारे देश के सामने कितने बड़े-बड़े खतरे मौजूद हैं। उनसे हमें मुकाबला करना ही होगा। इसके लिए यह जरूरी है कि हमारा देश आर्थिक रूप से काफी मजबूत हो जाए।

जंग बन गए हैं चुनाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में एक रैली को संबोधित करते हुए संकेत दिया कि मार्च के पहले हफ्ते में चुनाव आयोग वहां चुनाव तारीखों की घोषणा कर सकता है। बहरहाल, असम के साथ ही पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी चुनाव होने वाले हैं और इनकी धमक काफी पहले से सुनाई दे रही है। वह दौर बीत गया जब दक्षिण या उत्तर-पूर्व के राज्यों के चुनावों पर राष्ट्रीय मीडिया में जरूरत भर को ही चर्चा होती थी। अभी कोई चुनाव छोटा या गैरमामूली नहीं होता। हैदराबाद के नगरपालिका चुनावों पर भी हफ्तों चहल-पहल हमने हाल में देखी है। लोकतंत्र के लिए निश्चित रूप से यह एक अच्छी बात है, हालांकि देश को हमेशा इलेक्शन मोड में न रखने के सरकार प्रायोजित विमर्श को देखते हुए यह थोड़ी अटपटी भी लगती है। इस सदाबहार चुनावी गहमागहमी की अगुआई बीजेपी कर रही है। उसी ने इसको शुरू किया और वही आगे भी बढ़ा रही है।

इस बार चुनाव तो पांच विधानसभाओं के होने वाले हैं लेकिन खबरें दो राज्यों से ज्यादा आ रही हैं। असम, जहां बीजेपी सत्ता में है और पश्चिम बंगाल, जहां वह पहली बार सत्ता की दौड़ में शामिल है। केरल में वाम मोर्चे की सरकार को चुनौती कांग्रेस की तरफ से है जबकि तमिलनाडु में मुख्य लड़ाई एआईएडीएमके और डीएमके के बीच है। पुडुचेरी में बीजेपी का कोई निर्वाचित विधायक नहीं है लेकिन तीन मनोनीत विधायकों के जरिये वहां विधानसभा में उसकी उपस्थिति बनी हुई है। केरल में मेट्रोमैन ई श्रीधरन के बीजेपी जॉइन करने और पुडुचेरी में छह विधायकों के इस्तीफे के कारण नारायण सामी सरकार गिरने के बाद कहा जाने लगा है कि इन राज्यों के चुनाव में भी बीजेपी का दखल हाशिये तक सीमित नहीं रहेगा। एक कमाल की बात इधर यह हुई है कि %प्यार और जंग में सब जायज है%, वाले सूत्रवाक्य में चुनाव तीसरी सिचुएशन बन गया है। इसका ताजा उदाहरण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर पर सीबीआई टीम का पहुंचना है। घोटाले के हर आरोप की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए, लेकिन जांच एजेंसियों की इस तेजी को चुनावों से जोड़कर देखने के लिए किसी अतिरिक्त प्रयास की जरूरत नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि बीजेपी की अगुआई में चुनावी मुकाबलों का रोमांच वोटिंग और उसके नतीजों की घोषणा तक सीमित नहीं रह गया है। कई राज्यों में बहुमत से काफी कम विधायक लाकर भी उसने सरकार बनाई है तो कुछ में सत्तारूढ़ विधायकों के इस्तीफे के बाद घुमा-फिराकर यह कार्य संपन्न किया है। इससे बाकी पार्टियों के लिए टास्क तय हो गया है कि उन्हें जीतना है तो भारी बहुमत लाकर जीतें और एक-एक विधायक ठोका-बजाया हुआ लेकर आएं। झरोखा दर्शन देकर लड़ी जाने वाली गुडी-गुडी चुनावी लड़ाइयों के लिए देश में अब कोई जगह नहीं बची है।

यह समझने की जरूरत है कि आत्मनिर्भरता के लिए सभी को रोजगार पहली कसौटी है

आत्मनिर्भरता का मंत्र नए भारत के निर्माण का एक नया मूलमंत्र बन गया लगता है। इसकी अभिव्यक्ति वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट में भी दिखाई दी और प्रधानमंत्री के संसद में दिए गए संबोधन में भी। इसमें उन्होंने निजीकरण का सहयोग लेने की वकालत करते हुए कहा कि यह सोच बीते युग की बात है कि सब कुछ सरकार करेगी। वित्त मंत्री ने आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार के जिस विजन को रखा, उसे समझने का प्रयास करें तो हमारे सामने आत्मनिर्भर भारत का स्पष्ट रोड मैप दिखाई देता है। सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उद्योग, वाणिज्य, अवसंरचना, आर्थिक सुधारों की गति तेज करने और नई अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए निजीकरण एवं विनिवेश आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता हैं। इससे एक तरफ रोजगार के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी तो दूसरी ओर समाज के सभी वर्गों के बेहतर जीवन स्तर के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, जल, स्वच्छता और कौशल की उपलब्धता के साथ-साथ ग्रामीण विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। श्रम की उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र की कुशलता में भी महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। इसके परिणामस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर की तरफ ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप नए भारत का निर्माण भी करेगी। आत्मनिर्भरता के लिए सभी को रोजगार पहली कसौटी है। सीमित सरकारी नौकरियां एवं युवाओं की बढ़ती संख्या को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निजी संस्थानों की भूमिका अहम हो जाती है। दिसंबर 2020 में 2.93 करोड़ लोगों को रोजगार देने वाले विनिर्माण क्षेत्र ने जनवरी 2021 में 2.97 करोड़ लोगों को रोजगार दिया। विनिर्माण क्षेत्र ही वृद्धि का इंजन बन सकता है। बशर्ते शोध एवं विकास द्वारा पुरानी नीतियों में सुधार के साथ इसे प्रोत्साहन दिया जाए। गैस पाइपलाइन, राजमार्ग, रेलवे, मेट्रो, विमानन आदि ऐसे क्षेत्र है, जिनमें रोजगार सृजन की अत्यधिक संभावनाएं हैं। सरकार निरंतर यह प्रयास कर रही है कि आत्मनिर्भर संभावना वाले उद्योगों की पहचान कर उनके निर्माण की क्षमता को बढ़ाकर रोजगार को बढ़ाया जा सके। श्रम उत्पादकता को बढ़ाने के लिए लोगों को कृषि से उद्योगों की तरफ मोड़कर भी रोजगार सृजन किया जा सकता है। इससे जहां कृषि क्षेत्र पर भार कम होगा तो अन्य उद्योगों का विस्तार होगा। आत्मनिर्भर भारत के लिए अर्थव्यवस्था को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होना होगा और बड़े पैमाने पर युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देना होगा। आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भारत ने सबसे लंबी छलांग स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगाई है।

अमूमन एक वैक्सीन की खोज में पांच-छह साल लग जाते हैं। सीरम इंडिया एवं भारत बायोटेक द्वारा मात्र दस महीने में कोविड महामारी की दो-दो स्वदेशी वैक्सीन का बड़ी मात्रा में उत्पादन किसी ऐतिहासिक उपलब्धि से कम नहीं है। भारत ने दुनिया को यह भी दिखा दिया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में नव प्रवर्तन और शोध एवं विकास में भारत विश्व के किसी भी देश से कम नहीं है। अवसंरचना की कमी स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के मार्ग की बाधा है। इसके अलावा अस्पतालों, स्वास्थ्यकर्मियों की कमी, कम लोगों को बीमा सुरक्षा आदि कारणों का ऐसा चक्रव्यूह है, जहां से बिना निजी सहभागिता के बाहर नहीं निकला जा सकता। यद्यपि सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में गत वर्ष की तुलना में 2021 के बजट में वृद्धि की है, परंतु यह जनसंख्या के अनुपात एवं विकसित देशों की तुलना में अभी भी कम है। ऐसे में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बुनियादी संरचना को मजबूत करने के लिए सार्वजनिक एवं निजी सहभागिता को और अधिक आकर्षक बनाया जाना चाहिए।

पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार 2014 से 2019 तक भारत ने 16.75 अरब डॉलर के रक्षा उपकरणों का आयात किया। भारत विश्व में हथियारों का दूसरा बड़ा आयातक देश है। सरकार ने सौ से अधिक हथियारों एवं उससे संबंधित सामान के आयात पर प्रतिबंध ही नहीं लगाया, बल्कि देश में ही उनके उत्पादन को प्रोत्साहन भी दिया। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की असीम संभावनाओं पर खरा उतरते हुए निजी एवं विदेशी निवेशकों के आने के बाद से देश में उच्च तकनीक युक्त तोप, हल्के लड़ाकू विमान, मिसाइल आदि का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के बाद न सिर्फ विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि उसका इस्तेमाल विकास कार्यों के लिए भी हो सकेगा।

एक अनुमान के अनुसार 2025 तक देश का रक्षा क्षेत्र निजी क्षेत्र के सहयोग से न सिर्फ आत्मनिर्भर होगा, बल्कि भारत एक निर्यातक के रूप में भी उभरेगा। बजट में रक्षा क्षेत्र में 4.78 लाख करोड़ रुपये का आंवटन बताता है कि सरकार इस दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। आत्मनिर्भरता के लिए व्यय की गुणवत्ता को भी बढ़ाना होगा। यदि आज की परिस्थितियों में आठ-नौ प्रतिशत विकास दर को हासिल करना है तो बैंकों को अपने ऋण आवंटन में 14 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करनी होगी। मौजूदा हालात में सरकारी बैंक ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में निजीकरण और सरकारी बैंकों का विलय ही सही उपाय है। बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घ अवधि की पूंजी उपलब्ध करवाने में बीमा क्षेत्र अहम भूमिका निभा सकता है।

क्या देश में चल पाएगा बिटकॉइन का सिक्का, काले कारोबार में इस्तेमाल की आशंका

वैसे ध्यान रहे कि बिटकॉइन दुनिया की अकेली क्रिप्टो या वर्चुअल करेंसी नहीं है। दुनिया में इस वक्त करीब 70 वर्चुअल करेंसी अस्तित्व में हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही ज्यादा प्रचलन में हैं या उनके जरिये कुछ लेनदेन होता है। अभी भले ही टेस्ला ने बिटकॉइन में निवेश किया हो और चंद कंपनियां अपने स्तर पर इस मुद्रा में लेनदेन को मंजूर करती हों, पर बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी के साथ यह तोहमत जुड़ी हुई है कि उनका अवैध कारोबारों में इस्तेमाल हो रहा है।

अब तक जिन देशों के पास तेल और अमेरिकी डॉलर जैसी विदेश मुद्रा के बड़े भंडार होते थे, वे ही अमीर माने जाते थे, लेकिन पिछले कुछ अरसे से यह मिथक टूटता नजर आ रहा है। इसे असल में अब आभासी मुद्रा (वर्चुअल करेंसी) से चुनौती मिल रही है, जो 'क्रिप्टोमाइनिंग' तकनीक से पूरे विश्व में फैलती जा रही है। इनमें भी सबसे ज्यादा चर्चा बिटकॉइन नामक वर्चुअल करेंसी की है। हालांकि अब दुनिया के चुनिंदा देशों और स्टारबक्स तथा माइक्रोसॉफ्ट जैसी कुछ कंपनियों में एक समानांतर मुद्रा के तौर पर बिटकॉइन एक स्वीकार्य करेंसी है, पर अभी भी कई देश अपने यहां चोरी-छिपे चल रहे इसके कारोबार को मान्यता नहीं देते। जैसे कि हमारे देश में सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल, 2018 में रिजर्व बैंक के उस सर्कुलर पर रोक लगा दी, जिसमें बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को वर्चुअल करेंसी में डील करने या डील करने की सुविधा देने की बात थी।

इधर इस आभासी मुद्रा की चर्चा जिन वजहों से उठी है, उसमें दुनिया के सबसे धनी शख्स एलन मस्क की कंपनी टेस्ला की ओर से बिटकॉइन में 1.5 अरब डॉलर का निवेश किया जाना है। इस निवेश ने बिटकॉइन को एक नई बुलंदी पर पहुंचा दिया है। एक बिटकॉइन की कीमत 50 हजार डॉलर (37 लाख भारतीय रुपये) को पार कर गई है। अभी भी इसमें तेजी का जो माहौल है, उससे अनुमान यह लगाया जा रहा है कि कुछ ही वर्षों में एक बिटकॉइन के बदले एक करोड़ रुपये मिल जाएंगे। दावा है कि भारतीय निवेशकों ने बिटकॉइन समेत अन्य क्रिप्टोकरेंसी में कुल मिलाकर करीब 1.5-2.0 करोड़ डॉलर तक का निवेश किया हुआ है। हालांकि अभी इन सारे निवेशकों की सांसें अटकी हुई हैं। इसकी दो बड़ी वजहें हैं। पहली वजह इस सूचना का सामने आना है कि भारत सरकार बिटकॉइन और इस जैसी दूसरी आभासी मुद्राओं पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है।

हाल में (10 फरवरी, 2021 को) राज्य सभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि एक हाई लेवल कमेटी ने उन सभी क्रिप्टोकरेंसी को बैन करने का सुझाव दिया है, जिन्हें सरकार यानी रिजर्व बैंक जैसे सरकारी केंद्रीय बैंक जारी नहीं करते हैं। उनके अलावा वित्त राज्य मंत्री भी इस बात पर जोर दे चुके हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी के पास क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने का कोई तरीका नहीं है। इसलिए देश में इसके कारोबार को इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। दूसरी बड़ी वजह बिटकॉइन की कीमतों में होने वाली उठापटक है। भले ही हाल में इसकी कीमतें नई बुलंदियों पर पहुंची हैं, लेकिन किसी रोज यदि इसकी बिकवाली शुरू हुई तो इसमें भारी गिरावट से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है। हालांकि हर तरह के निवेश में कोई जोखिम अवश्य होता है, ऐसे में पूंजी लगाने के इच्छुक लोग बिटकॉइन में निवेश का रास्ता देने का आग्रह सरकार से कर रहे हैं। उनका एक तर्क है कि ऐसी मुद्राओं पर कोई कानूनी फ्रेमवर्क बनने से पहले के निवेशों को छूट दी जाए। ऐसी व्यवस्था को वाणिज्य की भाषा में निवेश को ग्रांडफादर करना कहते हैं। यह एक कानूनन वैध विकल्प है, लेकिन इसका फैसला सरकार को लेना है।

आज की तारीख में तकरीबन हर देश के पास अपनी मुद्रा है। उस मुद्रा पर देश के प्रमुख बैंक का नियंत्रण होता है। देश की अर्थव्यवस्था की ताकत के हिसाब से उस देश की मुद्रा की कीमत भी तय होती है। हालांकि इस वक्त अमेरिकी डॉलर को विश्व मुद्रा का रुतबा हासिल है, लेकिन उस पर भी अमेरिकी सरकार और वहां के फेडरल बैंक का नियंत्रण है। ऐसे में दुनिया की सारी मुद्राएं नियमों-कानूनों से बंधी हैं और लोगों को उनके जरिये लेनदेन करते वक्त कानूनों एवं शर्तो का पालन करना पड़ता है। ऐसे में बिटकॉइन के रूप में एक ऐसी मुद्रा के बारे में सोचा गया, जो किसी भी सरकार और बैंक के नियंत्रण से बाहर हो और उस पर सरकारी नियमों-कानूनों की बंदिश न हो। वर्ष 2009 में डिजिटल यानी वर्चुअल करेंसी के रूप में बिटकॉइन अस्तित्व में आए। बताया गया कि इसे सातोशी नाकामोतो ने बनाया है। हालांकि सातोशी एक छद्म नाम था, क्योंकि वर्ष 2015 में एक ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायी क्रेग राइट ने दावा किया कि वही असल में बिटकॉइन का आविष्कारक है।

उल्लेखनीय है कि नोट या सिक्के जैसा न होकर बिटकॉइन एक तरह के कंप्यूटर कोड होते हैं। इन कोड्स की खरीद-फरोख्त इंटरनेट के जरिये कंप्यूटर पर ही होती है और खरीदने के बाद इन्हें ऑनलाइन वॉलेट में स्टोर करके रखा जा सकता है। इस क्रिप्टोकरेंसी को कंप्यूटर पर कम्युनिटी आधारित सॉफ्टवेयर के जरिये बनाया यानी किसी के नाम जारी (इश्यू) किया जाता है। मौजूदा व्यवस्था के तहत हर 10 मिनट पर नए बिटकॉइन बनाए जाते हैं। मौजूदा मॉडल के मुताबिक दुनिया में कुल 2.1 करोड़ बिटकॉइन बनाए जाने हैं, जिनमें से 1.5 करोड़ बिटकॉइन अभी चलन में हैं। चूंकि एक बिटकॉइन को दशमलव के आठवें हिस्से तक विभाजित किया जा सकता है इसलिए कोई व्यक्ति कम धनराशि के साथ भी बिटकॉइन में निवेश कर सकता है। इंटरनेट पर मौजूद कई एक्सचेंज वेबसाइटें प्रचलित प्रमुख करेंसियों के बदले में बिटकॉइन उपलब्ध कराती हैं। कंप्यूटर पर इसका सॉफ्टवेयर डाउनलोड करने पर एक खास कोड मिलता है। इसे बिटकॉइन एड्रेस कहा जाता है। रकम की लेनदेन यानी ट्रांजेक्शन में यह कोड ही सबकुछ होता है, क्योंकि यह बैंक अकाउंट की तरह काम करता है। बिटकॉइन से किसी भी तरह की खरीदारी या लेनदेन के लिए यह कोड जरूरी है। अगर आपको किसी को रकम भेजनी है तो उसका बिटकॉइन एड्रेस आपके पास होना चाहिए। अगर आपको रकम हासिल करनी है तो आपको अपना एड्रेस उसे भेजना होगा। मोबाइल फोन पर मौजूद सॉफ्टवेयर या कंप्यूटर पर इंस्टॉल किए गए प्रोग्राम से इस कोड के जरिये रकम भेजी जा सकती है। एक बार बिटकॉइन जेनरेट होने के बाद इस कोड को यूजर अपनी हार्ड ड्राइव या पेन ड्राइव में सेव कर सकते हैं या अपने वर्चुअल वॉलेट में रख सकते हैं। इसके अलावा कागज पर कोड को प्रिंट करके भी सुरक्षित रखा जा सकता है। बिटकॉइन चूंकि कंप्यूटर के माध्यम से बनाई यानी क्रिएट की जाने वाली क्रिप्टोकरेंसी है इसलिए इसे बनाना काफी मुश्किल है। बिटकॉइन बनाने की पूरी प्रक्रिया माइनिंग कहलाती है। इसे माइनिंग कहने का आशय यह साबित करना है कि इसे बनाना किसी खदान में खोदाई करने जितना ही मुश्किल काम है।

हालांकि भारत सहित पूरी दुनिया में अभी बिटकॉइन से बहुत ज्यादा चीजों की खरीद-फरोख्त नहीं की जा रही है। फिर भी बिटकॉइन से कोई सामान खरीदने का पहला उदाहरण पिज्जा खरीद का है। भारत में कंप्यूटर कंपनी डेल, पे-पाल, माइक्रोसॉफ्ट अपनी वस्तुएं खरीदने के लिए एक अरसे तक बिटकॉइन के इस्तेमाल की इजाजत देते रहे हैं। इसके अलावा साल 2017 में जापान में पीच एयरलाइंस ने अपनी उड़ानों की टिकट खरीदने के लिए बिटकॉइन में भुगतान स्वीकार करने की बात कही थी। वहीं कुछ ई-कॉमर्स वेबसाइटों के बारे में दावा किया जाता है कि वे एक्सचेंज के तहत अपने ग्राहकों के लिए ऐसे वाउचर प्रोग्राम चलाती रही हैं, जिनमें बिटकॉइन का इस्तेमाल होता है।

वैसे ध्यान रहे कि बिटकॉइन दुनिया की अकेली क्रिप्टो या वर्चुअल करेंसी नहीं है। दुनिया में इस वक्त करीब 70 वर्चुअल करेंसी अस्तित्व में हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही ज्यादा प्रचलन में हैं या उनके जरिये कुछ लेनदेन होता है। अभी भले ही टेस्ला ने बिटकॉइन में निवेश किया हो और चंद कंपनियां अपने स्तर पर इस मुद्रा में लेनदेन को मंजूर करती हों, पर बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी के साथ यह तोहमत जुड़ी हुई है कि उनका अवैध कारोबारों में इस्तेमाल हो रहा है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

माघी पूर्णिमा पर माघ मेला के कल्पवासी शिविर में लगी आग, छह टेंट जले

प्रयागराज । प्रयागराज माघ मेला स्थित कल्पवासी थाना क्षेत्र के तुलसी मार्ग चौराहे के समीप शनिवार सुबह एक कल्पवासी शिविर में आग लग गई। माघ पूर्णिमा की भीड़ के बीच अचानक शिविर में आग से वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। जब तक फायर कर्मी आग पर काबू पाते, तब तक छह टेंट जलकर राख हो चुके थे। आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन टेंट में रखा सामान नष्ट हो गया। माघ मेला में तुलसी मार्ग चौराहे के समीप स्वामी रामकेवल दास महाराज का शिविर है। इसमें कई टेंट लगे हैं, जिसमें कल्पवासी रहते हैं। माघी पूर्णिमा पर सभी ने संगम स्नान कर यहां आकर हवन-पूजन किया। हवन के दौरान ही शिविर में चारों तरफ दीये जलाए गए थे। हवन समाप्त होने के बाद कल्पवासी अपने काम में व्यस्त हो गए। इसी बीच हवा के झोंके के कारण दीये की आग बगल में लगे त्रिपाल से छू गई। देखते-देखते आग ने टेंटों को चपेट में ले लिया। यह देखकर वहां मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे। माघी पूर्णिमा पर स्नान करने दूरदराज से आए लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर कल्पवासी थाना पुलिस समेत दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शिविर में रहने वाले कल्पवासियों का कहना है कि टेंट में रखा सारा सामान नष्ट हो गया है। यह तो संयोग ही था कि जिस समय आग लगी टेंट के भीतर कोई नहीं था, अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी।

नगर परिषद में शामिल होने से कई गांवों में मनरेगा की योजना बंद, ग्रामीण परेशान, चुनाव का इंतजार

शिवहर । शिवहर को नगर परिषद का दर्जा मिल चुका है। इसमें आसपास की पंचायतें शामिल कर ली गई है। हालांकि, गांव से शहर में शामिल होने की खता पंचायत के ग्रामीण झेल रहे हैं। शहरी क्षेत्र में शामिल होते ही पंचायतों में सरकारी योजनाएं बंद कर दी गई है। खासकर मनरेगा की योजना बंद करने से ग्रामीणों में आक्रोश है। मुखिया और ग्रामीणों ने डीएम, डीडीसी और जिला पंचायती राज पदाधिकारी को आवेदन देकर मामले की जानकारी दी है। वहीं जबतक नगर परिषद का चुनाव नहीं हो जाता तबतक इन पंचायतों में ग्रामीण विकास विभाग समेत सरकार प्रायोजित योजनाओं का कार्यान्वयन जारी रहने की मांग की है। अधिकारियों को दिए गए आवेदन में हरनाही पंचायत की मुखिया कामिनी कुमारी ने पंचायत के चिकनौटा व सुंदरपुर खरौना में मनरेगा के तहत काम बंद होने पर नाराजगी व्यक्त की है। बताया है कि, नगर परिषद की अधिसूचना जारी होते ही दोनों गांवों में मनरेगा पीओ द्वारा मनरेगा के तहत विकास कार्य बंद कर दिया गया। बताया है कि, मनरेगा के तहत दोनों गांवों में दर्जनों योजनाएं जिनकी प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल चुकी है। लेकिन मनरेगा पीओ द्वारा रोक दी गई है। मुखिया कामिनी कुमारी ने कहा है कि नगर परिषद चुनाव में अभी काफी वक्त है। ऐसे में सरकार के निर्देश के बगैर विकास कार्यों को बंद कर देना दुखद है। कुछ ऐसी ही स्थिति नगर परिषद में शामिल अन्य पंचायतों के गांवों का है।

इन गांवों के लोग पंचायत चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगे। जबकि, नगर परिषद में शामिल होने के बाद इन गांवों में ग्रामीण विकास की योजनाओं पर भी ग्रहण लग गया है। बताते चलें कि शिवहर नगर परिषद में शहरी क्षेत्र के अलावा आसपास की पंचायतों के सात गांवों को शामिल किया गया है। इनमें चक विशुनपुर, चिकनौटा, सुंदरपुर, खैरवादर्प, विशुनपुर, दाउद छपरा व कोठिया गांव शामिल है। नगर परिषद में शामिल होने के बाद इन गांवों में ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं बंद कर दी गई है।

वाराणसी में प्रियंका गांधी वाड्रा सीर गोवर्धनपुर में संत रविदास जयंती समारोह में हुईं शामिल

वाराणसी । संत रविदास जयंती समारोह में शामिल होने के लिए शनिवार को प्रियंका गांधी वाड्रा लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाराणसी पहुंचीं। इस दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा के आगमन से पूर्व एयरपोर्ट पर कांग्रेसियों की भारी भीड़ रही। सुबह 10.30 बजे प्रियंका के आगमन के बाद पूरा परिसर कांग्रेसियों की नारे बाजी से गूंज उठा। बाबतपुर एयरपोर्ट से भारी सुरक्षा के बीच उनका काफिला सीर गोवर्धनपुर के लिए रवाना हो गया। प्रियंका इस दौरान कांग्रेस नेताओं से परिचर्चा के अलावा किसी एक पार्टी कार्यकर्ता के घर ठहरकर चाय नाश्ता भी करेंगी। इस दौरान सैकड़ों गाड़ियों का काफिला भी उनके पीछे जुटा तो नारेबाजी से शहर भी गूंज उठा।जगह जगह उनका भारी भरकम काफिला गुजरा तो लोगों की भीड़ भी उनकी एक झलक देखने के लिए उमड़ पड़ी। गिलट बाजार चौराहे पर उनका स्वागत भी किया गया। इसके बाद संत रविदास जयंती के मौके पर जन्मस्थान मंदिर पहुंचीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा का स्वागत मुख्य द्वार पर ट्रस्ट की तरफ से किया गया। प्रियंका ने संत रविदास की प्रतिमा के सामने मत्था टेकते हुए आशीर्वाद मांगा। इसके बाद मंदिर में संत निरंजन दास से आशीर्वाद लिया। संत निरंजन दास ने कुशल क्षेम पूछते हुए प्रियंका से लंगर छकने के लिए पूछा तो प्रियंका ने कहा कि अभी पानी पी लूंगी। प्रियंका ने संत निरंजन दास से पूछा आपने प्रसाद ले लिया है तो उन्होंने कहा कि अभी सत्संग पंडाल जाना है। इसपर प्रियंका ने कहा कि उधर से लौटते समय प्रसाद ले लूंगी। साथ में आये नेताओं से भी प्रियंका ने संत निरंजन दास से परिचय कराया। इसके बाद आयोजन के दौरान वह मंच पर भी पहुंचीं और संत निरंजन दास के बगल बैठकर रैदासियों का अभिवादन भी किया। प्रियंका के साथ प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह लल्लू पूर्व विधायक अजय राय महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे मणिंद्र मिश्रा, गौरव कपूर सहित, नवीन मिश्रा और अन्य कांग्रेस नेता भी साथ रहे। संत रविदास जयंती के मौके सिर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर में आयोजित जयंती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा शनिवार को सुबह 10.30 बजे लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं। प्रियंका गांधी वाड्रा दिल्ली से वाराणसी आने वाले इंडिगो एयरलाइंस के विमान 6ई 2136 से वाराणसी आई हैं।

कैशर आलम ने आदिवासी युवती से 2 साल तक बनाए शारीरिक संबंध, अब मुसलमान बनाने पर आमादा

रांची । राजधानी रांची में शादी का झांसा देकर यौन शोषण फिर, शादी के लिए धर्मांतरण का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर गोंदा थाने में मामला दर्ज कराया गया है। मामला कांके रोड की रहने वाली एक आदिवासी समुदाय की युवती ने दर्ज कराया है। जिसमें बताया है कि वह एक कार शोरूम में सहायक का काम करती है। इस दौरान कोकर में अपनी सहेली के घर रहती थी। इस दौरान वहां इटकी थाना क्षेत्र के गुलजार नगर निवासी कैशर आलम उर्फ कैशु आया जाया करता था। इस दौरान उसकी दोस्ती हो गई। दोस्ती के बाद बीते 25 दिसंबर 2018 को घर में अकेली थी। इसी दौरान चाय बनाकर पिलाने की बात कहा। इसके बाद चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसका विरोध करने पर शादी का झांसा दिया। इधर, उसने शादी से इनकार कर दिया और कहा धर्मांतरण किए जाने पर ही उससे शादी करेगी। इसके बाद पीड़िता गोंदा थाना पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। सीएम हेमंत सोरेन का काफिला रोकने की कोशिश के आरोपितों में आठ नाबालिगों को शुक्रवार को सशर्त जमानत प्रदान किया गया। जमानत पर सुनवाई के दौरान जुबेनाइल जस्टिस बोर्ड की प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट कुमारी नितिका ने पांच-पांच हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही, आरोपितों पर 500-500 रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। सभी आरोपित चुटिया इलाके का रहने वाला है। छह जनवरी को चुटिया इलाके से ही गिरफ्तार किया गया था। आरोपितों के जमानत पर सिविल कोर्ट के अधिवक्ता कीर्ति नारायण सिंह ने पैरवी की। बता दें कि ओरमांझी में सिर कटी लाश बरामद होने के दूसरे दिन चार जनवरी को किशोरगंज में कुछ लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन के कारण सीएम के काफिले का मार्ग परिवर्तित करना पड़ा। इस मामले में 74 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी।

सीएम योगी बोले- संत रविदास जयंती पर साकार हो रही एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना

लखनऊ । महान संत रविदास की जयंती पर शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनको नमन किया। लखनऊ के कृष्णा नगर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत रविदास की जयंती पर आज पीएम नरेंद्र मोदी की एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत रविदास जयंती पर आज लखनऊ के कृष्णनगर में संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके साथ कैबिनेट मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह के साथ लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया भी मौजूद थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संत रविदास जी की जयंती पर एक बार फिर से मैं आपके प्रति मंगलमय कामनाएं करता हूं। इस महान अवसर पर मैं विश्वास व्यक्त करता हूं कि इस महान संत के आदर्शों से प्रेरणा ग्रहण करके हम सब अपने देश और समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं लखनऊ की संत रविदास सेवा समिति को धन्यवाद देता हूं। जो विगत 83 वर्षों से संत रविदास की शिक्षाओं का प्रसार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास जयंती सनातन हिंदू धर्म को मजबूत करते हुए एक भारत, श्रेष्ठ भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना को साकार कर रही है। संत रविदास जी ने पूरे जीवन समाज के तमाम प्रकार के रूढ़िवादों और पाखंडों का सामना करते हुए सनातन हिंदू धर्म को मजबूती देने का काम किया, जो आज हम सबकी सुरक्षा और पहचान है। हम सब 645 वर्ष के बाद भी इस महान संत की पावन जयंती को भव्यता के साथ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि महान संत, अद्भुत समाज-सुधारक, अनुपमेय रचनाकार संत शिरोमणि गुरु रविदास जी को उनकी जयंती पर कोटिशः नमन। %मन चंगा तो कठौती में गंगा% जैसे निर्मल दर्शन के माध्यम से समाज को आडंबरमुक्त एवं समरस बनाने की प्रेरणा देने वाले गुरु रविदास जी के विचार हम सभी के लिए प्रेरणाप्रद हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी ने कहा था कि आदमी न छोटा होता है, न बड़ा होता है। आदमी न ऊंचा होता है, न नीचा होता है। आदमी तो सिर्फ आदमी होता है। संत रविदास जी का जीवन चरित्र प्रेरणा प्रदान करता है कि व्यक्ति अपने कर्मों के माध्यम से कैसे महानता हासिल करता है। संत रविदास जी की पावन जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में उपस्थित सभी लोगों को मैं हृदय से बधाई देता हूं और आप सब के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में कोविड-19 के प्रोटोकॉल व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील भी की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों एवं माघ मेले में स्नान के लिए देश-विदेश से पधारे संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं एवं कल्पवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। तीर्थराज प्रयाग में इस दिन स्नान, दान एवं यज्ञ का विशेष महत्व है। कल्पवासियों के लिये यह तिथि एक विशेष पर्व है। इसे सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए राज्य सरकार ने सुविधा एवं सुरक्षा के साथ ही समस्त आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित कर रखे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने आज ही भारत के स्वाधीनता संग्राम के नायक चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस तथा महान समाजसेवी नानाजी देशमुख की पुण्य तिथि पर उनको नमन किया है।महान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनको नमन किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम के तेजस्वी हस्ताक्षर, महान क्रांतिकारी, देशप्रेम के अद्भुत प्रतीक, काकोरी घटना के महानायक, अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद जी को उनके बलिदान दिवस पर कोटि-कोटि श्रद्धांजलि। आपका बलिदान युगों-युगों तक हम सभी के मन में राष्ट्र प्रेम की लौ प्रज्ज्वलित करता रहेगा। महान समाजसेवी नानाजी देशमुख की पुण्य तिथि पर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनको नमन किया है। उन्होंने कहा कि महान समाजसेवी, सादा जीवन, उच्च विचार की भावना की प्रतिमूर्ति, ग्रामोदय से राष्ट्रोदय'की संकल्पना के प्रणेता, भारत रत्न, राष्ट्रऋषि श्रद्धेय नानाजी देशमुख को उनकी पुण्यतिथि पर मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। स्वावलंबी समाज के निर्माण के लिए आपके विचार हमारे लिए पथ प्रदर्शक हैं।

मायावती ने संत रविदास जयंती पर दी बधाई - बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आज संत रविदास जयंती पर उनको नमन करने के साथ प्रदेश के लोगों को बधाई व शुभकामना दी है। उन्होंने लोगों ने संत रविदास के संदेशों को अंगीकृत करने की सलाह भी दी है।

बसपा मुखिया ने शनिवार को दो ट्वीट से संत रविदास जयंती पर अपना संदेश दिया है। मायावती ने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा का अमर मानवतावादी संदेश देने वाले महान संतगुरु रविदास जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन देश व दुनिया में रहने वाले उनके करोड़ों अनुयाईयों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

उन्होंने कहा कि संतगुरु ने अपना सारा जीवन आदमी को इंसान बनाने के प्रयास में गुजारा। बीएसपी की यूपी में चार बार बनी सरकार में संतगुरु रविदासजी के सपनों को साकार करने का भरसक प्रयास हुआ व उनके सम्मान में जो जनहित व जनकल्याण का काम यहा किया गया वह किसी से छिपा नहीं है। केंद्र व राज्य सरकारें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज व देश का भला करें तो यह उचित होगा।

पाकिस्तान में हुई शादी अब तीन माह की बच्ची संग पहली बार अटारी बार्डर होकर ससुराल आई संध्या

अमृतसर । पाकिस्तान के सिंध की संध्या कुमारी की भारत के इंदौर के युवक से शादी हुई। उनकी शादी पाकिस्तान में ही हुई, लेकिन वे कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन में फंस गए। अब संध्या पहली बार अपनी ससुराल पहुंची। वह अपनी तीन माह की बच्ची के साथ अटारी-वाघा सीमा के रास्ते भारत लौटे। अटारी बार्डर पर संध्या और उनकी बच्ची को पति ने रिसीव किया।

पाकिस्तान में हुई शादी के बाद इंदौर में रहने वाले संध्या के पति सागर कुमार भी वहां लाकडाउन में फंस गए थे। नवंबर माह में बच्ची के पैदा होने से पहले मंजूरी मिलने के बाद संध्या का पति सागर कुमार भारत लौट आए थे। पत्नी और बेटी को लेने संध्या का पति कई घंटे पहले ही सरहद पर पहुंच गए थे। संध्या कुमारी अटारी सीमा के रास्ते आए 21 अन्य यात्रियों के साथ भारत लौटी हैं।

संध्या ने बताया कि वह सिंध की रहने वाली हैं। पिछले साल फरवरी माह में उसकी शादी पाकिस्तान में भारत के सागर कुमार बजाज के साथ हुई थी। मार्च में लाकडाउन लग गया और वह अपने पति के साथ ससुराल नहीं आ सकी। इस दौरान उसका पति सागर भी लाकडाउन में वहीं फंस गए और नवंबर माह में भारत सरकार द्वारा मंजूरी मिलने के बाद भारत लौट आए। संध्या ने बताया कि पति के भारत लौटने के बाद नवंबर में ही उसकी बच्ची ने जन्म लिया, जिसका नाम उन्होंने लक्ष्मी रखा। उआज वह बहुत खुश है कि शादी के बाद पहली बार अपने ससुराल जा रही हैं और वह भी तीन माह की बच्ची के साथ।

वहीं सागर कुमार बजाज ने बताया कि आज तीन महीने बाद बच्ची को देखा है और वह बहुत खुश है। वह अपनी पत्नी और बच्ची को देखने के लिए तीन से चार घंटे पहले ही अटारी बार्डर पहुंच गया था। उसने बताया कि बच्ची के दादा-दादी भी पहली बार अपनी पौती से मिलेंगे। दूसरी तरफ कोलकाता के रहने वाले एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि वह पेशावर में अपनी कजन के पास शादी समागम में शामिल होने गया था, लेकिन लाकडाउन के चलते पाकिस्तान में फंस गया। आज भारत सरकार उसे वतन लौटने की मंजूरी दी है तो वह बहुत खुश है। अटारी सीमा के रास्ते आज पाकिस्तान से कुल 22 यात्री भारत पहुंचे। इनमें 13 यात्री भारत के नागरिक, जिनमें पांच श्रीनगर के, तीन पुंछ के, दो बांदीपुरा के और एक शोपियां का नागरिक शामिल है।

बिहार: कर्नाटक में रह रही महिला को झांसा दे लिखवा ली करोड़ों की जमीन, हिंदी कम जानना पड़ा महंगा

डुमरांव (बक्सर)। कर्नाटक में रह रही बक्सर की महिला को धोखे में रखकर करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन का बंदरबांट इन दिनों नगर में चर्चा का विषय बना है। गुरुवार की देर शाम डुमरांव थाने में एफआइआर दर्ज हो जाने के बाद इस मामले की गुत्थी सुलझाने की जिम्मेदारी पुलिस को दी गई है। बचपन से बेंगलुरु में रहने के कारण महिला की कम हिंदी की समझ का फायदा अपराधियों ने उठाया और कई जगह साइन करा लिया।

कर्नाटक के बेंगलुरु में रहने वाली नगर के दक्षिण टोला के स्व.अरुण कुमार राय की पुत्री टीशा राय ने डुमरांव थाने में एफआइआर दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि मोहल्ले के ही विधान चंद्र राय के पुत्र अभिषेक कुमार राय ने घर आने-जाने के क्रम में जमीन बिक्री कराने का भरोसा देकर 15 लाख रुपये प्रति कट्ठा की दर से जमीन का भाव निर्धारित किया, फिर एग्रीमेंट के लिए 14 नवंबर को बेंगलुरु से बक्सर बुलाया और सभी पांच बिगहा जमीन का एग्रीमेंट करा लिया। उसके बाद अभिषेक कुमार राय ने बेंगलुरु फोन कर टीशा राय को इस बात की जानकारी दी गई कि जमीन का ग्राहक मिल गया है।

इस दौरान टीशा राय के बैंक अकाउंट में बारी-बारी से करके साढे तीन लाख रुपये भेजा गया तथा जमीन की बिक्री के लिए टीशा को बेंगलुरु से बक्सर बुलाया गया। इस दौरान अभिषेक राय ने पटना एयरपोर्ट जाकर उसे रिसीव किया तथा सीधे बक्सर रजिस्ट्री ऑफिस लेकर चला गया।

हिंदी कम जानने का उठाया फायदा - बचपन से बेंगलुरु में पली-बढ़ी टीशा को हिंदी की समझ कम है।

इसका फायदा रजिस्ट्री ऑफिस में उठाया गया। विभिन्न कागजात ऊपर हस्ताक्षर करा कर एक कट्टे की बजाए पांच बीघा जमीन की रजिस्ट्री बड़ी चालाकी से करा ली गई। काम हो जाने के बाद सर्वर डाउन और बैंक का लिंक फेल होने की बात कह उन्हें बंगलुरु भेज दिया गया और कहा कि आपका पैसा बहुत जल्द आपके खाते में चला जाएगा। टीशा के विश्वास को तब झटका लगा जब 10 दिन और 20 दिनों बाद ही खाते में पैसा जाना तो दूर उसका फोन रिसीव होना भी बंद हो गया। पीड़िता दौड़ी-भागी वापस घर डुमरांव लौटी।

आपकी जमीन हड़प ली गई है...

टीशा का कहना है कि उसे अभिषेक कुमार राय द्वारा साफ शब्दों में कहा गया कि आपकी जमीन हड़प ली गई है। अब आपका हाथ कट गया है।

आपको जो करना है वह करें। फिलहाल यह मामला डुमरांव थाने में पहुंच गया है। पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष बिंदेश्वर राम ने बताया कि एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामला पुलिस में जाने के बाद सारे आरोपी भूमिगत बताए जाते हैं।

माघी पूर्णिमा पर प्रयागराज के संगम में तीन लाख लोगों ने लगाई डुबकी

प्रयागराज । माघी पूर्णिमा पर प्रयागराज के संगम में सुबह 10 बजे तक तीन लाख लोगों ने डुबकी लगाई। संगम समेत गंगा के विभिन्न स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी है। दोपहर में भीड़ बढ़ने की संभावना है। गंगा, यमुना व अदृश्य सरस्वती के पावन संगम में स्नान के बाद श्रद्धालु पूजन-अर्चन के साथ दान कर रहे हैं। गंगा के विभिन्न स्नान घाटों पर आस्था उमड़-घुमड़ रही है। माघ मेला में यह पांचवां स्नान पर्व है। इसी के साथ ही संगम की रेती पर लगने वाले एक माह के माघ मेले में कल्पवास का समापन होगा। संगम में पुण्य की डुबकी लगाने दूर दराज से आए श्रद्धालु गंगा जल, कैलेंडर, रामचरित मानस और जनेऊ लेकर लौटने लगे हैं। मां गगा की कृपा से बहुतों के काम सफल हुए है। वह दान दक्षिणा कर संतों के दर्शन कर रहे हैं।

14 जनवरी से संगम तट पर लगा माघ मेला अब समापन की ओर से है। शनिवार को पांचवें स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर लाखों लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई और मां गंगा से जन कल्याण की कामना की।

दिल्ली से आए प्रयागराज तिवारी से गंगा स्नान करके आज लौट रह हैं। वह चार दिन से संगम तट पर रहकर स्नान किए और संतों के दर्शन किए। साथ ही सत्संग भी सुना। लौटते समय वह अपने साथ गंगा जल लेकर जा रहे हैं। साथ ही आधा दर्जन पंचांग लिया। वह साल यहां पर स्नान करने आते हैं। पिछले करीब 15 साल से उनका यहां पर आना जाना है। बताते हैं कि मां गंगा की कृपा से उनका दिल्ली में कारोबार बहुत अच्छा चल रहा है। उनका वहां पर मेडिकल का कारोबार है। पिछले एक दशक से उनका परिवार इस धंधे में लगा है। वह माघ मेला से हर साल कैलेंडर ले जाते हैं। इसमें कुछ वह अपने मित्रों को भी बांट देंगे। साथ ही राम चरित मानस और जनेऊ भी खरीदा है।

संतों की हरिद्वार कुंभ में जाने की तैयारी है

माघी पूर्णिमा स्नान के बाद 11 मार्च को महाशिवरात्रि का आखिरी स्नान पर्व है। हालांकि पूर्णिमा के बाद ही तमाम लोग घर को लौटने लगे हैं। अब गर्मी भी बढ़ गई है और कल्पवास भी पूरा हो है। आज का स्नान करने के बाद संत हरिद्वार कुंभ में जाने की तैयारी में हैं।

पराशर ज्योतिष संस्थान के निदेशक आचार्य विद्याकांत पांडेय के अनुसार किसी अनुष्ठान का आरंभ अथवा समापन मंगलवार व शनिवार के दिन होना शुभ होता है। अबकी कल्पवास शनिवार को खत्म हो रहा है। यह हर कल्पवासियों के लिए कल्याणकारी है।

माघी पूर्णिमा पर संगम में पुण्य की डुबकी लगाने आए श्रद्धालुओं पर जिला शासन की ओर से फूलों की वर्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर फूलों की वर्षा हेलीकाप्टर से कराई जा रही है। पुष्प वर्षा का गंगा स्नान कर रहे लोगों ने हर हर गंगे के जयघोष के साथ स्वागत किया। पुष्प वर्षा के लिए लखनऊ से राजकीय हेलीकॉप्टर आया है। यह हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन से उड़ान भरा और संगम फूलों की बारिश की। करीब 11 बजे तक कई राउंड में संगम पर फूलों की वर्षा की जाएगी। इस बार माघ मेला में फूलों की वर्षा दूसरी बार हो रही है। इससे पहले मौनी अमावस्या पर भी फूलों की वर्षा हो चुकी है।

माघ मेला का पांचवां स्नान पर्व

प्रयागराज माघ मेला में पहला स्नान पर्व मकर संक्रांति था। दूसरा पौष पूर्णिमा फिर सबसे महत्वपूर्ण स्नान पर्व मौनी अमावस्या का था। उसके बाद वसंत पंचमी और अब माघी पूर्णिमा का आज यानी शनिवार को स्नान पर्व है। पौष पूर्णिमा के दिन से संगम की रेती पर एक माह के कल्पवास की शुरूआत हुई थी। शिविरों में रहकर आस्थावान गंगा स्नान, पूजन और भजन-कीर्तन में जुटे रहे। या यूं कह लें कि एक माह तक श्रद्धालुओं ने संगम क्षेत्र में तप

संगम तीरे माहभर से चल रहा कल्पवास माघी पूर्णिमा स्नान पर्व से समाप्त हो जाएगा। पौष पूर्णिमा से रेती पर भजन, पूजन करने वाले गृहस्थ शनिवार को संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर लौट जाएंगे। लौटते समय साथ ले जाएंगे संतों से मिले धार्मिक संस्कार, दीक्षा व संगमनगरी में बिताए पल के सुनहरे संस्मरण। कल्पवासियों के साथ संत-महात्मा भी अपने मठ-मंदिर रवाना हो जाएंगे। अधिकतर महात्मा यहां से वृंदावन व हरिद्वार जाएंगे।संतों व कल्पवासियों का शिविर शुक्रवार से उखडने़ लगेंगे।

बंगाल और असम के अभियान पर निकले तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी से मिलकर तय करेंगे रणनीति

पटना । पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में राजद अपने लिए संभावनाएं तलाश रहा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव शुक्रवार को इस सिलसिले में गुवाहाटी पहुंच गए हैं, जहां वह दो दिन रहेंगे। 28 फरवरी को उन्हें कोलकाता जाना है, जहां तृणमूल कांग्रेस के साथ राजद के तालमेल की संभावनाओं पर ममता बनर्जी से मुलाकात करनी है।

राजद के दो वरिष्ठ नेता पहले से ही कर रहे कैंप- राजद के दो वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी एवं श्याम रजक पहले से ही असम और बंगाल में कैंप कर रहे हैं। राजद के लिए माहौल बना रहे हैं। इसी क्रम में बिहार विधानसभा में बजट सत्र के बीच में चार दिनों के दौरे पर शुक्रवार को तेजस्वी भी गुवाहाटी पहुंच गए हैं।

ममता बनर्जी से 28 फरवरी या एक मार्च को मुलाकात संभव

बदरुद्दीन अजमल से राजद नेता तेजस्वी यादव की मुलाकात हो सकती है। राजद के प्रदेश महासचिव विनोद यादव ने बताया कि कोलकाता में तेजस्वी की मुलाकात ममता बनर्जी से 28 फरवरी या एक मार्च को संभव है। राजद ने बंगाल में तृणमूल से पांच या छह सीटों की उम्मीद कर रखी है। हालांकि ममता की ओर से कोई आश्वासन नहीं मिला है, परंतु पिछले दौरे में अब्दुल बारी सिद्दीकी एवं श्याम रजक की अभिषेक बनर्जी से मुलाकात हो चुकी थी। सीटों पर बात नहीं बनी है। असम में राजद की बदरुद्दीन अजमल से भी बात चल रही है।

बिहार में शराब का काला बाजार बन चुका है- गुवाहाटी रवाना होने से पहले तेजस्वी ने शराबबंदी के मुद्दे पर राज्य सरकार पर हमला किया और कहा कि बिहार में शराब का काला बाजार बन चुका है। आरोप लगाया कि यह कारोबार लगभग 20 हजार करोड़ का या उससे भी ज्यादा का हो सकता है। जदयू के नेता-कार्यकर्ता और अधिकारी लगे हैं। तेजस्वी ने कहा कि वह असम में तालमेल को लेकर गुवाहाटी जा रहे हैं।

मुजफ्फरनगर में दारू पार्टी के दौरान गोली चलने से किशोर की मौत की वीडियो में कैद

मेरठ । नशे की हालत में अवैध असलहे का प्रदर्शन का अंजाम बेहद दुखद होता है। मुजफ्फरनगर में हत्या का लाइव वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो एक ट्यूबवेल पर शराब पार्टी के दौरान एक युवक को गोली लगने का है। मुजफनगर का यह लाइव मर्डर वीडियो नई मंडी क्षेत्र का है। इसमें मारा गया 19 वर्ष का प्रिंस है। इस केस में जिससे गोली चली है, वह प्रिंस का मामा बताया जा रहा है। लाइव रिकार्डिंग के दौरान देशी पिस्तौल को चेक करने के दौरान चली गोली प्रिंस के सीने में धंस गई। मृतक प्रिंस ही दारू पार्टी का यह वीडियो बना रहा था। वीडियो लगभग 9 मिनट लम्बा है जिसमे कुछ दोस्त पार्टी कर रहे दिखाई देते हैं, इसी दौरान एक युवक तमंचे से फायर करता दिखाई देता है जिससे पास खड़ा लड़का घायल हो जाता है। इसके बाद प्रिंस की मौत हो जाती है।

मुजफ्फरनगर में दो दिन पहले हुई एक हत्या का लाइव वीडियो सामने आया है। बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो ट्यूबवेल पर दारू पार्टी के दौरान का है। दारू पार्टी के दौरान एक युवक ने देसी तमंचे से गोली चलाई, जो वीडियो बना रहे 19 वर्षीय प्रिंस को जा लगी। गोली लगने से प्रिंस की मौके पर ही मौत हो गई।

एसपी सिटी अर्पित विजय वर्गी, सीओ मंडी धनंजय सिंह कुशवाहा और इंस्पेक्टर अनिल कपरवान सूचना पर मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया। मौके से शराब की खाली बोतल, गिलास, उबले अंडे व अन्य सामान मिला है, जिसे जब्त कर लिया गया है। मामले में मृतक के पिता अजय ने प्रिंस के मामा व उसके साथी पर हत्या का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ तहरीर दी है। सीओ मंडी धनंजय सिंह कुशवाहा का कहना है कि वायरल वीडियो प्रिंस हत्याकांड का बताया जा रहा है, जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने दीपक के साथी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार है।

नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव बिलासपुर निवासी प्रिंस उर्फ चीनू (19) शहर के एक कॉलेज में कक्षा-11 का छात्र था। बुधवार शाम मंसूरपुर मेन बाजार निवासी प्रिंस का मामा अपने एक साथी के साथ बिलासपुर पहुंचा था। कुछ देर बाद प्रिंस अपने पिता अजय धीमान, मामा व उसके साथी के साथ खेत पर चले गए, जहां उन्होंने ट्यूबवेल पर बैठकर शराब पीना शुरू कर दिया। नशा होने पर मामा साथ लाए गए तमंचे को चेक करने लगा, जिससे अचानक गोली चल गई, जो सामने बैठे प्रिंस उर्फ चीनू के सीने में जा घुसी। इस मामले में मृतक प्रिंस के पिता अजय ने मंसूरपुर निवासी रिश्तेदार दीपक व उसके एक साथी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर प्रिंस हत्याकांड का एक वीडियो वायरल हुआ।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रिंस का मामा दीपक व उसका साथी आमने-सामने बैठकर शराब पीते दिख रहे हैं। प्रिंस मोबाइल फोन से दारू पार्टी की वीडियो बना रहा था। इसी दौरान दीपक को उसका साथी तमंचा देता है, जिसे चेक करने के लिए दीपक उसे लोड करने के बाद हाथ पीछे कर गोली चला देता है। यह गोली चंद कदमों की दूरी पर खड़े होकर वीडियो बना रहे प्रिंस के सीने में लगती है और वह लहूलुहान होकर गिर जाता है और उसकी मौत हो जाती है। इस दौरान प्रिंस का मोबाइल फोन भी वहीं गिर गया। फोन में करीब नौ मिनट तक वीडियो बनती रहती है। वायरल वीडियो को फिलहाल पुलिस ने कब्जे में ले लिया है, जिसे हत्यारोपी के खिलाफ पुख्ता सुबूत माना जा रहा है।

''परिवर्तन भारती''दैनिक सामाचार पत्र स्वत्वधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक अशोक बेदी हेतु आई.जी. प्रिंटर्स 104 न्यू ओखला इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स,फेस-1 नई दिल्ली ने ,के-15 ए,कैलाश कॉलोनी,ग्रेटर कैलाश-नई दिल्ली-110048 से मुद्रित किया।
फोन नं0-23326603,फैक्स;-23310498,E-mail:btn1234@gmail.com । रजि.नं0-62860/95 डीएल.नं0-21093/03 संपादक;-अशोक बेदी प्रकाशन समूह। इसके समस्त दीवानी विवादों,न्यायोचित कार्रवाईयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार नई दिल्ली न्यायालय मे रहेगा ।

एक नजर

बंगाल समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद रिटायर हो जाएंगे मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली । पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की निगरानी करने के अगले दिन ही 30 अप्रैल को मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा अपने पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। बंगाल, असम और केरल समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा कर दी गई है। इन राज्यों में 27 मार्च से 29 अप्रैल तक मतदान होगा।शुक्रवार को विज्ञान भवन में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान करते हुए अरोड़ा ने कहा कि यह उनका आखिरी संवाददाता सम्मेलन है। उन्होंने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल से वे संतुष्ट हैं। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव समेत 11 बड़े चुनावों का संचालन किया। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के दौरान बिहार में विधानसभा चुनाव करवाए जाने को ऐतिहासिक करार दिया। अरोड़ा ने कहा, आप कह सकते हैं कि मैंने एक अच्छी पारी खेली। मुझे चुनाव आयुक्तों और अन्य सहयोगियों का भी अच्छा सहयोग मिला। उन्होंने अपनी मां का लिखा हुआ एक शेर भी पढ़ा-किसी से हमसुखन नहीं होता महफिल में परवाना, उन्हें बातें नहीं आती जो अपना काम करते हैं।

चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के चरणबद्ध कार्यक्रम की घोषणा की है। बंगाल में आठ चरणों में चुनाव कराने का फैसला लिया गया है। इससे पहले बंगाल में यहां सात चरणों में चुनाव कराए गए थे। इसके साथ ही असम में तीन चरणों में चुनाव होंगे। जबकि तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में एक-एक चरण में ही विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे।

चुनाव को लेकर उठाए गए कदम- मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बंगाल सहित चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों का एलान करते हुए भरोसा दिया कि चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष होंगे। साथ ही सुरक्षा के भी पर्याप्त बंदोबस्त किए गए हैं। इस बीच उन्होंने कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए उठाए गए जरूरी एहतियाती कदमों की भी जानकारी दी। इसमें वोटरों के लिए मास्क जरूरी होगा।

छुट्टी पर जाने वाले जवानों को मिलेगी एमआइ-17 हेलिकॉप्टर की सुविधा, सीआरपीएफ ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली । पुलवामा में हुए आतंकी हमले की दूसरी बरसी (14 फरवरी) के कुछ दिनों बाद भारत सरकार ने कश्मीर में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों के लिए खास सुविधा प्रदान की है। कश्मीर में तौनात जवान अगर छुट्टी पर जाएंगे तो उनको आईईडी हमले की आशंका से बचाने के लिए एमआइ-17 हेलीकॉप्टर के माध्यम से नजदीकी गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा। यह निर्णय गृह मंत्रालय द्वारा लिया किया गया था। गुरुवार को सीआरपीएफ द्वारा इस सिलसिले में आदेश भी जारी कर दिया गया। आदेश में कहा गया है, मैग्नेटिक आईईडी और आरसीआईईडी हमले की आशंका के मद्देनजर जोखिम को कम करने के लिए छुट्टी पर घर लौट रहे जवानों को एमआइ-17 हेलीकॉप्टर के माध्यम से नजीक के गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा। सप्ताह में तीन दिन परिवहन के लिए निर्धारित किए गए हैं। सीआरपीएफ ने अपने जवानों को एक पत्र जारी किया है, जिसमें हेलीकॉप्टर सुविधा प्राप्त करने के प्रारूप का विवरण दिया गया है।

फास्टैग की अनिवार्यता को चुनाती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सभी वाहनों के लिए फास्टैग को अनिवार्य बनाने के केंद्र के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक सरकार ने 15 फरवरी की मध्य रात्रि से फास्टैग को अनिवार्य बना दिया है। जिस वाहन में फास्टैग नहीं होगा उसे देश भर के इलेक्ट्रॉनिक टोल प्लाजा पर दोगुना भुगतान करना होगा। चीफ जस्टिस एस.ए.बोबडे, जस्टिस ए.एस.बोपन्ना और जस्टिस वी. रामसुब्रमणियन की तीन सदस्यीय पीठ ने याचिकाकर्ता से वह दिल्ली हाई कोर्ट जाने की बात कहकर याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश होने वाले वकील ने पीठ से आग्रह किया कि वह दिल्ली हाई कोर्ट में जाने की छूट के साथ इस याचिका को वापस ले रहा है। वकील के अनुरोध को मंजूर कर लिया गया। इसके बाद याचिका खारिज कर दी गई।

पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ता के वकील ध्रुव टम्टा के इस तर्क को स्वीकार नहीं करता है कि यह पूरे देश का मामला है। शीर्ष अदालत राजेश कुमार की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फास्टैग को अनिवार्य करने की केंद्र की अधिसूचना को रद करने की मांग की गई है।

निलंबन से पहले सरकार ने की बड़ी कसरत, विस अध्यक्ष के चैंबर में हुई बैठक, डीजीपी व मुख्य सचिव तलब

शिमला । कांग्रेस विधायकों के निलंबन से पूर्व सत्ता पक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष के चैंबर में बड़ी कसरत की। यह आपात बैठक राज्यपाल के साथ हुए अमर्यादित व्यवहार पर की गई। इनमें अध्यक्ष विपिन परमार, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, उपाध्यक्ष हंसराज, संसदीय कार्यमंत्री सुरेश भारद्वाज, विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा भी मौजूद रहे। इस बीच मंत्री भी बैठक में आए। बैठक में शिमला के एसपी मोहित चावला से लेकर डीजीपी संजय कुंडू को तलब किया गया। पुलिस और सीआइडी के आला अधिकारियों की भी खूब उठक बैठक हुई। इसमें कानूनी पहलुओं पर गहन चर्चा की और कार्रवाई करने के विकल्पों के बारे में विचार- विमर्श किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, दोबारा हो रहा सत्र- बैठक से मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर साढ़े बारह बजे बाहर आए, अध्यक्ष के चैंबर के बाहर मीडिया कर्मियों का जमावड़ा लगा हुआ था, आते ही बोले, सत्र दोबारा हो रहा है। इसके बाद वह भाजपा विधायक दल की बैठक में हिस्सा लेने गए। इस बैठक में भाजपा विधायकों ने कांग्रेस विधायकों के कृत्य के लिए कड़ी से कड़ी कारवाई करने की मांग की। इसमें उन्होंने कई सुझाव भी दिए।

20 फीट लंबी सुरंग खोद चोरों ने लगायी डॉक्टर के तहखाने में सेंध, करोड़ों की चांदी पर किया हाथ साफ

जयपुर, एजेंसी। पिंकसिटी के नाम से मशहूर जयपुर के वैशाली नगर से करोड़ों रुपये की चांदी की चोरी का मामला सामने आया है। शहर के नामी हेयर ट्रांसप्लांट सर्जन के घर से बीते बुधवार को चोरों ने करोड़ों रुपये की चांदी पर हाथ साफ कर दिया। आपको जानकर हैरानी होगी की इसके लिए चोरों ने डॉक्टर के घर के ठीक पीछे करीब 20 फीट लंबी सुरंग खोदी। इसके बाद घर के बेसमेंट में रखे लोहे की तीन बक्सों से चांदी की सिल्लियां और जेवर निकाल लिये। जानकारों का कहना है कि चोरी का ये आइडिया हॉलीवुड मूवी से चुराया गया होगा।

मिली जानकारी के अनुसार आम्रपाली सर्किल के डी-ब्लॉक में रहने वाले डॉक्टर ने शुक्रवार को चोरी की शिकायत दर्ज करवायी। डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि अभी दो दिन पहले ही वह बेसमेंट में गए थे। वहां बक्सों से चांदी के गहने गायब थे लोहे के सारे बक्सों को काटकर सारा कीमती सामान निकाला गया था। बक्से के नीचे 2 फुट गहरा सुराख दिखा। जांच में पता चला कि लगभग 20 फुट लंबी सुरंग खोदकर इस चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। डॉक्टर ने दर्ज करवायी गई एफआइआर में चांदी का वजन और कीमत की जानकारी नहीं दी है। पुलिस का अनुमान है कि लोहे के बक्सों को देखकर लगता है कि इसमें कई क्विंटल चांदी होगी जिसकी कीमत करोड़ों में हो सकती है। इन बक्सों को जमीन में गाड़कर रखा गया था और उसके ऊपर से टाइल्स लगाकार पक्के का फर्श भी बनाया गया था।

जांच में पता चला है कि डॉक्टर के मकान के ठीक पीछे मकान नंबर डी-135 है। इसी मकान से सुरंग बनाकर डॉक्टर के बेसमेंट में सेंध लगायी गई थी। यह मकान बीती 4 जनवरी को 90 लाख रुपये में बनवारी लाल जांगिड़ के नाम से खरीदा गया था। इसी मकान के एक कमरे का फर्श उखाड़कर चार फीट गहरी और 20 फुट लंबी सुरंग खोदी गई थी। चोर डॉक्टर के बेसमेंट में लगे लोहे के बक्से से चांदी की सिल्लियां चुराने में कामयाब हो गए और उसके बाद मिट्टी डलवाकर सुरंग को बंद कर उस पर दोबारा से फर्श भी बनवा दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, जीवनसाथी की प्रतिष्ठा और करियर को खराब करना मानसिक क्रूरता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक अहम फैसले में कहा है कि उच्च शिक्षित व्यक्ति का अपने जीवनसाथी की प्रतिष्ठा और करियर को खराब करना, उसे अपूर्णनीय क्षति पहुंचाना मानसिक क्रूरता है। कोर्ट ने पत्नी के ऐसे व्यहार को मानसिक क्रूरता मानते हुए पति की तलाक की याचिका स्वीकार कर ली।

जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस दिनेश महेश्वरी और जस्टिस ऋषिकेश राय की पीठ ने पति की याचिका स्वीकार करते हुए उत्तराखंड हाई कोर्ट का फैसला निरस्त कर दिया और तलाक की डिक्री देने के फैमिली कोर्ट के फैसले को बहाल कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट का टूटे रिश्ते को मध्यम वर्ग की शादीशुदा जिंदगी का हिस्सा कहना गलत है। यह मामला निश्चित तौर पर पत्नी द्वारा पति के प्रति की गई क्रूरता का है और पति इस आधार पर तलाक पाने का अधिकारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के लिए मानसिक क्रूरता के आधार को स्वीकार करने पर कहा कि मानसिक क्रूरता इस हद तक होनी चाहिए कि जीवनसाथी का साथ रहना और वैवाहिक जीवन बिताना असंभव हो गया हो। हालांकि सहने की सीमा हर दंपती की अलग-अलग हो सकती है। पीठ ने कहा कि कोर्ट को मानसिक क्रूरता के आधार पर तलाक का मामला तय करते समय शिक्षा के स्तर और पक्षकारों के स्टेटस को ध्यान में रखना चाहिए। पीठ ने कहा कि समर घोष के पूर्व फैसले में कोर्ट ने मानसिक क्रूरता के उदाहरण दिए हैं हालांकि यह भी कहा था कि इस बारे में कोई समान स्टैंडर्ड तय नहीं किया जा सकता, यह हर केस के आधार पर तय होगा।

पत्नी ने पति के खिलाफ की थी शिकायतें

पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले में पत्नी ने पति के खिलाफ सेना के बड़े अधिकारियों से कई बार अपमानजनक शिकायतें की थीं। जिसके लिए पति के खिलाफ सेना ने कोर्ट आफ इंक्वायरी की। इससे पति की प्रगति और करियर प्रभावित हुआ। इतना ही नहीं, पत्नी ने अन्य कई अथारिटीज को भी पति के खिलाफ शिकायत भेजी जैसे कि राज्य महिला आयोग में शिकायत की। अन्य प्लेटफार्म पर भी पति के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट की। इसका नतीजा यह हुआ कि याचिकाकर्ता पति की प्रतिष्ठा और करियर प्रभावित हुआ।

पति के करियर और प्रतिष्ठा को पहुंची अपूर्णीय क्षति- कोर्ट ने कहा कि जब पति ने पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों के कारण जिंदगी और करियर में बुरा असर झेला है तो पत्नी को उसके कानूनी नतीजे झेलने होंगे। वह सिर्फ इसलिए नहीं बच सकती कि किसी भी अदालत ने आरोपों को झूठा नहीं ठहराया है। हाई कोर्ट का मामले को देखने और तय करने का नजरिया सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सिर्फ यह देखा जाएगा कि पत्नी का व्यवहार मानसिक क्रूरता में आता है अथवा नहीं। इस मामले में बहुत शिक्षित जीवनसाथी ने अपने साथी पर आरोप लगाए हैं जिससे उसके करियर और प्रतिष्ठा को अपूर्णीय क्षति पहुंची। जब किसी की अपने सहयोगियों, वरिष्ठों और समाज में प्रतिष्ठा खराब हुई हो तो उस प्रभावित व्यक्ति से इस आचरण को माफ करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। पत्नी का यह कहना न्यायोचित नहीं है कि उसने यह सब शिकायतें अपने वैवाहिक जीवन को बचाने के लिए की थीं। कोर्ट ने कहा कि गलत पक्ष वैवाहिक रिश्ता जारी रहने की अपेक्षा नहीं कर सकता। पति का उससे अलग रहने की मांग करना न्यायोचित है।

यह था पूरा मामला- इस मामले में पति एमटेक की डिग्री के साथ सैन्य अधिकारी था और पत्नी पीएचडी डिग्री के साथ गवर्नमेंट पीजी कालेज में पढ़ाती थी। दोनों की 2006 में शादी हुई। कुछ महीने वे साथ रहे फिर आपस में अनबन हो गई। शादी के एक साल बाद से ही दोनों अलग रह रहे हैं। इस मामले में पति ने फैमिली कोर्ट में अर्जी देकर तलाक मांगा। पति ने कहा कि उसकी पत्नी ने उसके खिलाफ बहुत सी शिकायतें कीं, उस पर आरोप लगाए जिससे उसकी प्रतिष्ठा और करियर को नुकसान पहुंचा। पत्नी का यह व्यवहार मानसिक क्रूरता है इसलिए उसे तलाक दिया जाए। जबकि पत्नी ने याचिका दाखिल कर कोर्ट से दाम्पत्य संबंधों की पुनर्स्थापना की मांग की।

फैमिली कोर्ट ने मामले के तथ्य और सुबूतों को देखते हुए पति की तलाक अर्जी मंजूर कर ली थी। लेकिन हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट का तलाक देने का फैसला पलट दिया था और पत्नी की दाम्पत्य संबंधों की पुनर्स्थापना की मांग स्वीकार कर ली थी।

चंदा लेने गये युवक को गांव वाले समझ बैठे बच्चा चोर, कर दी जमकर धुनाई

भुवनेश्वर । गलतफहमी कभी-कभी इतनी भारी पड़ जाती है कि गलतफहमी के शिकार व्यक्ति के जान तक मुश्किल में पड़ जाती है। इसी तरह की एक गलतफहमी का सामना राजधानी भुवनेश्वर के उपनगरीय क्षेत्र में एक युवक को करना पड़ा है। युवक तो घर से निकले थे मंदिर के लिए चंदा एकत्र करने मगर गलतफहमी का शिकार होने के बाद अस्पताल पहुंच गए।

जानकारी के मुताबिक मामला भुवनेश्वर के उपनगरीय बलीपाटणा के बनमालीपुर ग्राम का है। पड़ोसी सरकणा गांव में एक मंदिर निर्माण के लिए चंदा वसूलने हेतु गांव के नंदकिशोर बेहंरा का पुत्र शरत बेहरा बनमालीपुर गांव में गया था। वहां डेरासाही गांव का रास्ता पूछने के लिए शरत ने दुर्गा मंड्प के पास खेल रहे 9 वर्षीय बालक दीपक से आग्रह किया और उसका हाथ पकड़कर डेरासाहि गांव का रास्ता दिखाने की गुजारिश की। हालांकि दीपक के साथ खेलने वाले अन्य बच्चों ने उसे बच्चों को चुराने वाला कोई बदमाश समझा तथा बच्चा चोर-बच्चा चोर कहकर चिल्ला उठे। बच्चों को चिल्लाते देख गांव में हलचल मच गई। गांव के लोग दौड़ते हुए वहां पहुंच गए। लोगों को अपनी तरफ दौड़ लगाते देख कर शरत भाग लिया। लोगों ने उसे बच्चों का चोर समझकर काबू में किया तथा बगैर सोचे समझे मारपीट शुरू कर दी। बाद में कुछ लोगों ने शरत को उत्तेजित भीड़ से बचाया और स्थानीय मंदिर में बंद कर पुलिस को खबर दी गई।

पुलिस पहुंचने के बाद शरत को बचाया जा सका और सारी बातें सामने आई। गांव वालों के आक्रमण का शिकार शरत पड़ोसी सरकणा गांव का रहने वाला है और गांव में मंदिर निर्माण के लिए चंदा वसूलने बनमालीपुर इलाके में गया था। राज्य के तटीय इलाके में बच्चा चोरी की कई वारदातें होने के बाद स्थानीय लोगों में बच्चा चोरी को लेकर काफी जागरुकता आ रही है। मगर कई बार निर्दोष लोग बच्चा चोर समझ लिए जाते हैं। जैसा कि बालिपाटणा इलाके में हुआ है।

गुजरात में निकाय चुनाव के बाद बढ़े कोरोना के मामले, चार शहरों में 15 मार्च तक बढ़ा कर्फ्यू

अहमदाबाद । गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव के साथ ही कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अहमदाबाद, सूरत, राजकोट तथा वड़ोदरा में कर्फ्यू 15 दिन के लिए और बढ़ा दिया गया है। राज्य सरकार की ओर से कोविड-19 वैक्सीन के दूसरे चरण की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस चरण में 60 वर्ष से अधिक के उम्र की महिला पुरुषों तथा 45 से 59 साल के गंभीर रोगों से पीड़ित महिला पुरुषों को कोविड 19 की वैक्सीन दी जाएगी।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की अध्यक्षता में गांधीनगर में बुलाई गई कोर कमेटी की बैठक में अहमदाबाद सहित चार महानगर पालिका में रात्रि कर्फ्यू आगामी 15 मार्च तक बढ़ाने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कोरोना की वैक्सीन के दूसरे चरण की तैयारियों का जायजा लिया तथा स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने वैक्सीन दिए जाने के बाद उसके कारण होने वाले प्रभाव अथवा विपरीत असर पर निगरानी रखने पर भी जोर दिया। बैठक में दूसरे चरण में कोरोना वारियर्स को दूसरी डोज देने पर भी चर्चा की गई।

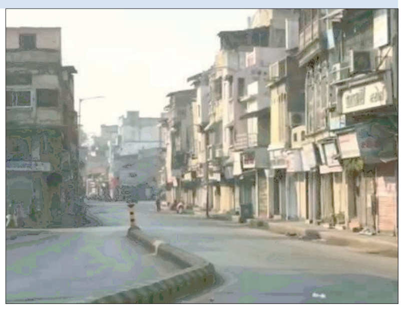

स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव जयंती रवि ने बताया कि प्रथम चरण में 4.82 लाख हेल्थ वर्कर्स में से 84त्न को वैक्सीन दिया जा चुका है जबकि 5.41लाख फ्रंटलाइन वर्कर्स में से 77त्न को वैक्सीन दी जा चुकी है। इसके अलावा 1.64 हेल्थ केयर वर्कर्स को कोरोना की दूसरी डोज भी दी जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ जयंती रवि ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से गुजरात को सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया पुणे की 15.70 लाख तथा भारत बायोटेक की 4.86 लाख वैक्सीन डोज मिल चुकी है। डॉ रवि ने पता है कि अगले साल गुजरात के सरकारी अस्पताल से कोरोना वैक्सीन निशुल्क दी जाएगी जबकि निजी हॉस्पिटल में 100 रुपए कीमत पर वैक्सीन लगाई जाएगी।

24 घंटे में 460 नए मामले

गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव के साथ ही कोरोना संक्रमण के मामले भी तेजी से बढ़ने लगे हैं पिछले 24 घंटे में 460 नए मामले सामने आए इनमें वडोदरा के 109 तथा अहमदाबाद के 101 शामिल हैं। हालांकि बीते 24 घंटे में कोरोना से मौत का एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया। गुजरात में अब तक कोरोना 4408 लोगों की मौत हो चुकी है इनमें से अकेले अहमदाबाद में 2311 मौत शामिल है। गुजरात में अब तक 269031 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं इनमें से 262587 लोग स्वस्थ होकर घर जा चुके।

घटता जनाधारः गुजरात निकाय चुनाव में लचर प्रदर्शन से कांग्रेस बेचैन, पार्टी हाईकमान ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं कई राज्यों में सियासी आधार सिकुड़ने के कारण कठिन चुनौतियों का सामना कर रही कांग्रेस के लिए गुजरात चिंता का नया सबब बनने लगा है। सूरत नगर निगम चुनाव में प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये गुजरात में आम आदमी पार्टी की सियासी इंट्री से बढ़ी बेचैनी का ही संकेत है कि कांग्रेस ने प्रदेश संगठन की मौजूदा हालत की समीक्षा करने का फैसला किया है।

स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के बेहद खराब प्रदर्शन पर हाईकमान ने मांगी रिपोर्ट

सूत्रों के अनुसार स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के बेहद खराब प्रदर्शन को लेकर पार्टी हाईकमान ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस से तत्काल रिपोर्ट मांगी है। इतना ही नहीं सूबे के कांग्रेस प्रभारी को भी इस बारे में अपनी आकलन रिपोर्ट देने को कहा गया है। पार्टी नेतृत्व को इस चुनाव में हार से ज्यादा सूरत में आप का प्रदर्शन परेशान कर रहा है। विधानसभा के अगले चुनाव को देखते हुए कांग्रेस इसे अपने लिए नई सिरदर्दी की शुरुआत के रूप में देख रही है।

गुजरात की सियासत अभी तक दो ध्रुवीय रही है। कांग्रेस का मानना है कि आप को जो भी समर्थन मिला है, वह उसका अपना जनाधार नहीं है, बल्कि उसे कांग्रेस से छिटके कुछ लोगों का साथ मिला है। बहरहाल दिल्ली के अनुभव को देखते हुए आप की छोटी-सी जीत भी परेशान कर रही है।

स्वाभाविक रूप से गुजरात निकाय चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस की बेचैनी बेवजह नहीं है। खासकर यह देखते हुए कि 2017 के पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस तो भाजपा को लगभग सत्ता से बाहर करने की दहलीज तक पहुंचती दिख रही थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतिम दौर का धुआंधार प्रचार भाजपा को उबार ले गया। विधानसभा में भाजपा 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाई थी और कांग्रेस ने 80 सीटें जीतीं। मगर तीन साल के अंदर ही कांग्रेस एक बार फिर पुराने खराब दौर की ओर लौटती दिख रही है। जाहिर तौर पर यह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की परेशानी में इजाफा करेगा।

कांग्रेस ने गुजरात में नए और युवा चेहरों को आगे कर जिम्मेदारी सौंपी

कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव के समय से ही गुजरात में नए और युवा चेहरों को आगे कर जिम्मेदारी सौंपी है। सियासी रूप से प्रभावशाली पाटीदारों के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे हार्दिक पटेल भी सूबे में अब कांग्रेस के अग्रिम पंक्ति के नेता बन चुके हैं। इसी तरह पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के करीबी राजीव सातव गुजरात कांग्रेस के प्रभारी हैं। जाहिर है कि कई सवाल खड़े होने लगे हैं और समय रहते उसे दुरुस्त करना कांग्रेस की बड़ी चुनौती है।

बीकानेर और चित्तौड़गढ़ में किसान महापंचायत करेंगे सीएम अशोक गहलोत

जयपुर । राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत प्रदेश के बीकानेर और चित्तौड़गढ़ जिलों में दो किसान महापंचायत करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में सीएम गहलोत और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने बैठक की। शनिवार को किसान महापंचायतें उन चार विधानसभा क्षेत्रों के पास हो रही हैं, जहां उपचुनाव होने वाले हैं। पहली किसान सम्मेलन बीकानेर के डूंगरगढ़ में पिलानियोन की ढाणी में होगी, जबकि दूसरी महापंचायत चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया में होगी। डूंगरगढ़ में पहली महापंचायत चूरू के सुजानगढ़ के करीब है, जबकि मातृकुंडिया में दूसरी महापंचायत होगी। यह वल्लभनगर (उदयपुर), राजसमंद और सहारा (भीलवाड़ा) निर्वाचन क्षेत्रों के पास है। वल्लभनगर (उदयपुर), सुजानगढ़ (चूरू), सहारा (भीलवाड़ा) और राजसमंद में उपचुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ विधायकों के निधन के कारण कांग्रेस शासित राज्य की चार सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। पहले तीन सीटें कांग्रेस और एक (राजसमंद) भाजपा के पास थी।

राजस्थान में अब चार विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होगा। तीन सीटें पहले से ही खाली थी, चौथी सीट अभी हाल ही में खाली हो गई। वल्लभनगर सीट से कांग्रेस विधायक गजेंद्र सिंह शक्तावत का निधन हो गया। वे लीवर की समस्या से पीड़ित थे। निधन के बाद उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। प्रदेश में तीन माह में तीन कांग्रेस और एक भाजपा विधायक का निधन हुआ है। उम्मीद है कि मार्च के अंतिम सप्ताह तक चुनाव आयोग चारों सीटों पर उप चुनाव की घोषणा करेगा। कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए उप चुनाव बड़ी चुनौती है। सबसे बड़ी चुनौती सत्तारूढ़ दल कांग्रेस और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए है। उप चुनाव जीतना गहलोत की प्रतिष्ठा का सवाल होगा।

कांग्रेस में जहां पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमा उप चुनाव में हार-जीत को गहलोत के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा। यह साफ है कि उप चुनाव में जो भी परिणाम आएगा, वह वह गहलोत के खाते में जाएगा। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया की प्रतिष्ठा भी इस उप चुनाव से जुड़ी हुई रहेगी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे खेमे की पूनिया के साथ पटरी नहीं बैठ पा रही है। दोनों के बीच खींचतान चल रही है। यदि चुनाव में हार होती है तो वसुंधरा खेमा इसे पूनिया के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। उल्लेखनीय है कि अब तक अक्टूबर में सहाड़ा से कांग्रेस विधायक कैलाश त्रिवेदी, नवंबर में सुजानगढ़ से तत्कालीन सामाजिक न्याय व अधिकारता मंत्री भंवरलाल मेघवाल व राजसमंद विधायक किरण माहेश्वरी का निधन हो चुका है।

दोनों ही पार्टियों के समीकरणों में होगा असर- विधानसभा में कांग्रेस विधायकों की संख्या 107 से कम होकर 104 रह गई। कांग्रेस विधायकों की संख्या 104, भाजपा के 71, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 3, 13 निर्दलीय, विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों की संख्या अब 107 से घटकर 104 रह गई है। विधानसभा में कांग्रेस के विधायक 104, भाजपा के 71,आरएलपी के 3, निर्दलीय 13 व सीएम के दो विधायक हैं। इसके साथ ही सीपीएम के 2 और भारतीय ट्राइबल पार्टी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 2-2 विधायक हैं। सीपीएम के 2, बीटीपी के 2 और आरएलडी का एक विधायक है। सत्तारूढ़ दल के नेताओं का मानना है कि कांग्रेस के अंदरूनी सत्ता समीकरण भी तय करेंगे। अगर चार सीटों पर कांग्रेस जीतती है तो सीएम मजबूत होंगे। अगर कांग्रेस हारी तो सरकार के कामकाज और सीएम पर सवाल उठेंगे। तीन कांग्रेस विधायकों में शक्तावत, मेघवाल और त्रिवेदी की मौत हुई है। ये तीनों ही पायलट की बगावत के समय उनके साथ थे।

हल्दिया रिफाइनरी के विस्तार कार्य के लिए पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय मंत्रियों को लिखा पत्र

कोलकाता । पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस एवं इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बंगाल में इंडियन ऑयल के हल्दिया रिफाइनरी के विस्तार कार्य के लिए 175 एकड़ भूमि को लीज पर देने के लिए केंद्रीय मंत्रियों को पत्र लिखा है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा एवं केंद्रीय पतन, पाते परिवहन और जलमार्ग राज्यमंत्री मनसुख मंडाविया को लिखे पत्र में प्रधान ने उनसे इस मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की है।

प्रधान ने अपने पत्र में पेट्रोलियम उत्पादों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के निरंतर प्रयास पर जोर दिया और लिखा कि ईंधन एवं विशिष्ट उत्पादों की गुणवत्ता और मात्रा संबंधी घरेलू मांगों को पूरा करने के लिए तेल और गैस क्षेत्र में बुनियादी ढांचा विकास के उद्देश्य से रिफाइनरी का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हल्दिया रिफाइनरी की क्रूड प्रोसेसिंग क्षमता 2.5 एमएमटीपीए से बढ़कर आठ एमएमटीपीए हो गई है और यह सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले ईंधन, ल्यूब्रिकेंट्स और विशेष उत्पादों के निर्माण में पूरी तरह से सक्षम है। उन्होंने आगे लिखा कि हाल के दिनों में जब रिफाइनरी को भारत स्टेज-6 मानकों के लिए नई इकाईयों के निर्माण की आवश्यकता थी, तो यह मौजूदा भंडारण टैंकों को समाप्त करके केवल आंशिक रूप से ही पूरा किया जा सकता था और कुछ महत्वपूर्ण इकाईयों के निर्माण के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है। हिंदुस्तान फर्टिलाइजर्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचएफसीएल) के कब्जे में मौजूद बगल की 175 एकड़ जमीन कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (नया नाम- श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट) से लीज पर है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आइओसीएल) इस जमीन के हिस्से का अधिग्रहण करने के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट व एचडीसी अधिकारियों एवं एचएफसीएल के साथ लगातार संपर्क में है। एचएफसीएल से लंबित लीज रेंट के मुद्दे को सीसीईए द्वारा भूमि के निपटान के लिए मंजूरी से पूर्व रसायन और उर्वरक मंत्रालय तथा पतन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के बीच हल करने की आवश्यकता है। प्रधान ने प्रधानमंत्री के पूर्वोदय विजन को बल देने और आम जनता के हित के लिए रिफाइनरी की महत्वपूर्ण इकाईयों को स्थापित करने में सक्षम बनाने के लिए दोनों मंत्रियों से सहयोग का आग्रह किया।

जोधपुर जेल में मोबाइल मिलने के मामले में राशन स्टोर इंचार्ज व तीन ठेकेदारों पर केस

जोधपुर। राजस्थान में जोधपुर के केंद्रीय कारागार में बुधवार की रात को एक साथ बड़ी मात्रा में मिले मोबाइल के बाद जेल अधीक्षक की ओर से जेल में राशन सामग्री की सारसंभाल करने वाले स्टोर इंचार्ज व तीन ठेकेदारों के खिलाफ रातानाड़ा थाना में केस दिया है। इन लोगों के मोबाइल में स्टोर में बनाए गए वीडियो से इसका खुलासा हुआ है। मगर यह वीडियो किसने और कब बनाया है। इस बारे में पुलिस सभी मोबइल की जांच में जुटी है। रातानाडा थानाधिकारी ने बताया कि जेल अधीक्षक ने एक लिखित रिपोर्ट रातानाडा थाने में दर्ज करवाई है, जिनमे इनमें तीन लोगों के मिलीभगत की बात सामने आई है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, जेल के स्टोर इंचार्ज लक्ष्मण सिंह है। वहीं, श्यामसुंदर, बाबूलाल व सत्यनारायण राशन सामग्री लाने वाले ठेकेदार है। मोबाइल्स को चेक करने पता लगा कि स्टोर का वीडियो है। मगर यह किसने और कब बनाया है। इसकी भी तहकीकात की जा रही है।

बुधवार की देर रात्रि को पुलिस की ओर से औचक निरीक्षण करने की खबर लीक होने के चलते पुलिस के पहुंचने से पहले ही जेल प्रशासन ने निरीक्षण के दावे करते हुए भारी मात्रा में मोबाइल फोन, सिम कार्ड और चार्जर बरामद कर पुलिस के हवाले कर दिये थे और बाद में उक्त मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करवाया। अब जेल प्रशासन और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों तक मामला पहुंचने के बाद जेल प्रशासन ने अपने पर लटकती तलवार के मद्देनजर घटना में नामजद रिपोर्ट लिखवाई है।

ये है मामला-बुधवार मध्यरात्रि के बाद जोधपुर पुलिस की सर्च में जेल में एक साथ 17 मोबाइल फोन मिले थे। फ्लश आउट अभियान की समाप्ति से पहले एक साथ मिले इतने सारे मोबाइल 18 सिम और चार्जर कई सवाल खड़ा कर रहे हैं। एक साथ इतने मोबाइल मिलने से इस बार जेल प्रशासन संदेह के घेरे में है। जेलों में चल रहे फ्लश आउट अभियान की समाप्ति से पहले एक साथ मिले इतने सारे मोबाइल 18 सिम और चार्जर कई सवाल खड़ा कर रहे हैं। विचाराधीन बंदियों की बैरकों चार, सात व 10 में तलाशी के समय 17 मोबाइल, चार्जर व तकरीबन इतनी सिमें मिली थी। बाद में पुलिस की तरफ से भी अन्य वार्डों में तलाशी ली गई।

रवीना टंडन

ने फिल्म इंडस्ट्री में किए 30 साल पूरे, नेपोटिज्म को लेकर कही ये बात

रवीना टंडन की गिनती बॉलीवुड की दिग्गज और खूबसूरत अभिनेत्री के तौर पर होती है। उन्होंने लंबे समय तक अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों को जीता है और फिल्मी पर्दे पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। रवीना टंडन को बॉलीवुड में 30 साल पूरे हो चुके हैं।

रवीना टंडन की गिनती बॉलीवुड की दिग्गज और खूबसूरत अभिनेत्री के तौर पर होती है। उन्होंने लंबे समय तक अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों को जीता है और फिल्मी पर्दे पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। रवीना टंडन को बॉलीवुड में 30 साल पूरे हो चुके हैं। ऐसे में अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर को लेकर बड़ी बातें बोली हैं। उन्होंने बताया है कि वह कभी अभिनेत्री नहीं बनना चाहती थीं।

अंग्रेजी वेबसाइट हिंदुस्तान टाइम्स की खबर के अनुसार रवीना टंडन ने फिल्म इंडस्ट्री में बिताए अपने 30 सालों को याद किया है। ऐसे में अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें लगता ही नहीं कि इंडस्ट्री में उन्हें इतना ज्यादा वक्त हो चुका है। जब भी वह नई फिल्म, नया सीन या नया शो करती हैं तो उनके पेट में आज भी तितलियां उड़ने लगती हैं। रवीना टंडन मानती हैं कि वह आज भी बहुत कुछ सीख रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा गलती से बन गई। मैं कभी कलाकार बनना ही नहीं चाहती थी। मैं काफी रिजर्व किस्म की लड़की थी जो दांतों से नाखून काटती थी, उन लोगों से डरती थी जो मुझे देख रहे होते थे। क्लास में भी ऐसी ही थी, आखिरी बेंच पर बैठती थी' ।रवीना टंडन ने आगे कहा, 'स्कूल में होने वाले प्ले और एनुअल फंक्शन में मुझे लीड रोल मिलते थे। नर्वस होने के बावजूद मैं इन रोल्स को बखूबी निभाया करती थी। मैं निर्देशक बनना चाहती थी, लेकिन किस्मत में कुछ और ही होना लिखा था। मैं ऐड गुरु प्रहलाद कक्कड़से मिली थी। वह मुझे हमेशा स्क्रीन पर आने के लिए कहते थे, लेकिन मैं मना कर देती थी। मुझे ऑफर्स भी आते थे, फिर भी इनकार कर देती थी। मैं पहले अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती थी। मेरे डेब्यू फिल्म पत्थर के फूल से पहले मुझे सात–आठ ऑफर्स मिले थे। उनमें फिल्म हीर रांझा और जंगल का भी नाम शामिल है ।रवीना टंडन ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि यह फिल्में अच्छी नहीं थीं, मेरे बस दिमाग में अभिनय की दुनिया में कदम रखने की प्लानिंग नहीं थी। किस्मत ने साथ दिया और कॉलेज के पहले साल में ही कुछ लोगों की नजर मुझ पर पड़ी। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि मेरे पापा ने किसी को बोला हो या ऑफर्स के लिए फोर्स किया हो। आज जो नेपोटिज्म पर चर्चा होती रहती है, मुझे वह फर्जी लगती है। मेरे लिए चीजें खुद होती चली गईं। अगर मेरे पास कलाकार बनने के लिए चेहरा न होता तो मैं नहीं पहचानी जाती या मुझे ऑफर्स भी नहीं मिलते।' आपको बता दें कि रवीना टंडन ने फिल्म पत्थर के फूल ने बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी यह फिल्म 1991 में आई थी। इस फिल्म में रवीना टंडन के साथ अभिनेता सलमान खान मुख्य भूमिका में थे।

कपड़े संभालते हुए रोड पर भागती दिखीं

मलाइका अरोड़ा

बोलीं- भाग मल्ला भाग

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपनी एक से बढ़कर एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक थ्रोबेक फोटो शेयर की है जिसमें वो रोड पर भगती हुई नज़र आ रही हैं।

'लीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपनी एक से बढ़कर एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक थ्रोबेक फोटो शेयर की है जिसमें वो रोड पर भगती हुई नज़र आ रही हैं। फोटो में मलाइका खेत के बीच में रोड पर अकेले भागती हुई दिख रही हैं, दूर–दूर तक उनके पास कोई नज़र नहीं आ रहा है ।फोटो में मलाइका ने सफेद रंग की कपड़े कैरी किए हुए हैं और चेहरा बालों से ढका हुआ है। इस फोटो में एक्ट्रेस काफी सैक्सी लग रही हैं। फोटो शेयर करते हुए मलाइका ने एक फनी कैप्शन भी लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'भाग मल्ला भागज'। एक्ट्रेस की फोटो पर बॉलीवुड अभिनेत्री कटरीना कैफ ने भी कमेंट कर उनकी तारीफ की है। कटरीना ने फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'मेरे पसंदीदा फोटोशूट में से एक है ।आपको बता दें कि मलाइका सोशल मीडिया पर इतनी चर्चा में रहती हैं कि इनका लगभग हर रोज़ कोई न कोई वीडियो या फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पपी के साथ खेलते हुए वीडियो शेयर किया था जो काफी वायरल हुआ था। एक्ट्रेस ने जो वीडियो शेयर किया था उसमें वो एक कैफे में पपी कोको संग खेलती नजर आ रही हैं। वीडियो में दिख रहा है कि व्हाइट टीशर्ट और ब्लैक शॉर्ट्स में मलाइका पूरे कैफे में इधर–उधर भाग रही हैं और कोको उनके पीछे–पीछे भाग रहा है। दोनों साथ में काफी मस्ती कर रहे हैं। एक्ट्रेस का ये वीडियो लोगों को भी काफी पसंद आया था। आप भी देखें वीडियो ।हाल ही में मलाइका अरोड़ा को उनकी बेस्ट फ्रेंड करीना कपूर ख़ान के घर पर स्पॉट किया गया था। मलाइका अरोड़ा अपने ब्वॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के साथ करीना कपूर के घर पहुंची थीं। आपको बता दें कि करीना ने हाल ही में दूसरे बेटे को जन्म दिया है। 21 फरवरी को ही करीना कपूर दूसरी बार मां बनी हैं।

Gangubai Kathiawadi

महज 500 रुपए में बेचा पति ने, माफिया डॉन को बांधी राखी, जानें 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की दर्दभरी कहानी

बॉलीवुड के जाने माने निर्देशक संजय लीला भंसाली हमेशा अपने फिल्म के सब्जेक्ट को लेकर चर्चा में रहते हैं। उनकी फिल्मों में भव्य सेट के साथ एक ही दर्शकों के हमेशा ही एक अलग कहानी देखने को मिलती है। यही कारण है उनकी हर? फिल्म एक अलग ही मुकाम हासिल करती है। वहीं सजय लीला भंसाली के साथ काम करने का सपना बॉलीवुड का अधिकतर सितारा देखता है। इस बार संजय लीला भंसाली एक और नई कहानी 'गंगूबाई काठियावाड़ी' लेकर आ रहे हैं।

इस फिल्म में गंगूबाई की भूमिका में एक्ट्रेस आलिया भट्ट नजर आने वाली हैं। कल भंसाली के जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का टीजर रिलीज हुआ। टीजर देखने के बाद हर कोई आलिया की जबरदस्त एक्टिंग की तारीफ कर रहा है। वहीं एक बार फिर से आलिया भट्ट के साथ ही 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के नाम की भी चर्चा तेज हो गई। इसी के साथ ही कई लोग जानना चाहते हैं कि आखिर कौन हैं 'गंगूबाई काठियावाड़ी', जिसपर भंसाली फिल्म बना रहे हैं। अगर आप नहीं जानते तो चहिए हम आपको उनके बारे में बताने जा रहे हैं।

पति ने चंद पैसे के लिए बेच दिया था :

लेखक एस हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' के मुताबिक गंगूबाई कठियावाड़ी गुजरात की रहने वाली थीं। गंगूबाई का असली नाम गंगा हरजीवनदास काठियावाड़ी था। बचपन में गंगूबाई ने भी सभी की तरह सपने देखे थे। वह बड़ी होकर एक कामयाब अभिनेत्री बनना चाहती ?थीं। इसी बीच गंगूबाई की मुलाकात उनके पिता के अकाउंटटेंट से हुई और उन्हें प्यार हो गया। उस वक्त उनकी उम्र महज 16 साल थी। अकाउंटटेंट के प्यार में गंगूबाई इस कद्र पागल हो गईं थीं कि उन्होंने परिवार के खिलाफ जाकर उससे शादी कर ली थी और भागकर मुंबई आ गईं। लेकिन यहां उनके साथ जो होने वाला था उसके बारे में गंगूबाई ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। गंगूबाई ने जिस शख्स के प्यार के लिए अपना घर परिवार छोड़ा उसी ने उन्होंने धोखा दिया। गंगूबाई के पति ने उन्हें धोखा देकर महज पांच सौ रुपये में कोठे पर बेच दिया।

ऐसे आईं थीं कुख्यात अपराधी के संपर्क में :

लेखक एस हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' के मुताबिक गंगूबाई को छोटी उम्र में ही वेश्यावृति के लिए मजबूर किया गया। कोठा पर ही बाद में गंगूबाई के संपर्क में कुख्यात अपराधी आए और उनके ग्राहक बने। गंगूबाई मुंबई के कमाठीपुरा इलाके में कोठा चलाती थीं। 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' की किताब में माफिया डॉन करीम लाला का भी जिक्र किया गया है। किताब के मुताबिक करीम लाला की गैंग के एक सदस्य ने गंगूबाई के साथ दुष्कर्म किया था।

Happy Birthday Danny: जया बच्चन के पुराने दोस्त हैं डैनी, एक साथ की क्लास में पढ़ाई, बस इस कारण ठुकराया था 'शोले' में गब्बर का रोल

बॉलीवुड में दमदार खलनायकों में से एक डैनी डेन्जोंगपा हैं। डैनी ने अपनी दमदार आवाज और एक्टिंग के दाम पर फैंस के दिलों पर कई दशकों तक राज किया। आज डैनी डेन्जोंगपा का जन्म?दिन है। डैनी का जन्म 25 फरवरी को सिक्किम में हुआ। डैनी आज अपना 73वां जन्मदिन मना रहे हैं। एक्टिंग को अपना करियर बनाने से पहले डैनी भारतीय सेना में भर्ती होना चाहते थे। लेकिन उनकी मां को ये बात मंजूर नहीं थी। वह नहीं चाहती थीं कि उनका बेटा आर्मी ज्वाइन करे। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग को अपने करियर के तौर पर चुना। डैनी का असली नाम Tshering Phintso Denzongpa है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि डैनी को उनका ये नाम किसने दिया अगर नहीं तो चहिए हम बताते हैं आपको...

डैनी डेन्जोंगपा हाल ही में वो कंगना रनौत की फिल्म 'मणिकर्णिका' में नजर आए थे। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया। आपको बता दें कि भारतीय सिनेमा जगत में मील का पत्थर मानी जाने वाली फिल्म 'शोले' में उन्हें काम करने का मौका मिला था। मेगा स्टारर इस फिल्म में डैनी को पहले गब्बर सिंह का किरदार निभाने का प्रस्ताव दिया गया था लेकिन उनके इंकार करने पर अमजद खान ने यह भूमिका निभायी। दरअसल, उस वक्त डैनी 'धर्मात्मा' फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। इसी वजह से उन्होंने 'शोले' में काम करने के लिये इंकार कर दिया।

बच्चन परिवार की मुखिया ने रखा नाम :

डैनी ने एक इंरव्यू में बताया था कि जया भादुड़ी जो उनकी क्लासमेट थीं। कॉलेज में लोग उनके नाम Tshering Phintso Denzongpa का मजाक उड़ाते थे। तभी जया ने उनका नाम बदलकर डैनी रख दिया था। डैनी का इसके बाद यही नाम पड़ गया। डैनी को हिंदी बोलना नहीं आता था जिसकी वजह से उन्हें करियर की काफी संघर्ष करना पड़ता था। ऐसे में डैनी घंटों समंदर से बातें करते हुए अपनी हिंदी को बेहतर किया करते थे।

बुमराह ने बीसीसीआई से छुट्टी मांगी, अंतिम टेस्ट नहीं खेलेंगे

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने निजी कारणों से बीसीसीआई से छुट्टी मांगी है। ऐसे में बुमराह मेहमान टीम इंग्लैंड के खिलाफ चौथा और अंतिम टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह तेज गेंदबाज उमेश यादव या मोहम्मद सिराज में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है। भारत और इंग्लैंड के बीच अंतिम टेस्ट मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 4 मार्च से खेला जाएगा। भारतीय टीम अभी सीरीज में 2-1 से आगे है। बीसीसीआई ने बुमराह के बाहर होने पर बयान देते हुए कहा है कि बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से हटने के लिए बोर्ड से खास अनुरोध किया था। बता दें कि कोरोना काल में भारतीय टीम के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरूआत करने के बाद यह तेज गेंदबाज लगातार क्रिकेट खेल रहा है। उन्होंने सबसे पहले यूएई में आईपीएल 2020 में हिस्सा लिया था, जहां मुंबई इंडियंस ने रिकॉर्ड पांचवां खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद वो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लिमिटेड ओवर सीरीज और टेस्ट सीरीज का भी हिस्सा रहे थे। जसप्रीत बुमराह लिमिटिड ओवर सीरीज में खेलेंगे या नहीं इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। बुमराह का चयन इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए हुआ है, लेकिन कोरोना प्रोटोकॉल से बाहर जाने की वजह से उनके खेलने पर संशय बरकरार है। बुमराह टीम के साथ दोबारा कब जुड़ेंगे, इसके बारे में भी अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। उनके चौथे मैच से बाहर होने से पहले ऐसी उम्मीद लगाई जा रही थी कि उन्हें टी-20 सीरीज में आराम दिया जाएगा।

चौथे टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकारा हैः विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, मयंग अग्रवाल, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे (उप कप्तान), केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ऋद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, इशांत शर्मा, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव।

भारत के दीपक कुमार फाइनल्स में पहुंचे

सोफिया, (एजेंसी)। भारत के दीपक कुमार ओलंपिक ने बुल्गारिया में खेले जा रहे 72वें स्ट्रांजा मेमोरियल मुक्केबाजी टूनार्मेंट के फाइनल्स में प्रवेश किया है।

दीपक ने 52 किलो वर्ग में विश्व चैम्पियन शखोबिदिन जोइरोव को हराया। दीपक ने जोइरोव को 4-1 से हराया। । दीपक ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में बुल्गारिया के ही दारिस्लाव वासिलेव को 5-0 से हराया था।

वहीं एक अन्य मुकाबले में पूर्व युवा विश्व चैम्पियन ज्योति गूलिया को 51 किलो जबकि भाग्यवती कचारी को 75 किलो वर्ग में हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरूष वर्ग में भारत के ही मनजीत सिंह 91 किलो वर्ग में हार के साथ ही बाहर हो गये गये। मनजीत को आर्मेनिया के गुरजेन होवहानिस्यान ने पराजित किया।

जर्मनी में जर्मन बुंदेलसगा लीग फुटबॉल में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

फीफा वर्ल्ड कप तैयारियों की कवायद में 6500 श्रमिकों की मौत

दोहा, (एजेंसी)। खाड़ी देश कतर को फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी के मिलने के बाद इसकी तैयारियों में पिछले एक दशक में यहां कम से कम 6500 विदेशी कामगारों की मौत हो चुकी है। मरने वाले कामगारों में सबसे अधिक संख्या भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका से गए लोगों की है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिसंबर 2010 में जब कतर को 22वें फीफा वर्ल्डकप के लिए चुना गया था तब से लेकर अब तक इन देशों के लगभग 12 लोगों की मौत हर हफ्ते हुई है। सबसे ज्यादा श्रमिकों की मौत ऊंचाईयों पर काम करते समय गिरने के कारण हुई है। कई मजदूरों की तो ऊंचाई से लटकने के कारण सांस फूलने से मौत हो गई। अधिकतर मौतें हॉर्ट फेल होने या दम घुटने से हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में भारतीय, नेपाली और बांग्लादेशी श्रमिकों की संख्या 69 फीसदी के आसपास है। कतर में श्रमिकों की मौत के बाद शवों का पोस्टमॉर्टम तक केवल दिखावे के लिए किया जाता है। ऐसे में मौत के कारण का पता लगाना बहुत मुश्किल है। गार्डियन ने कतर के सरकारी सोर्स का हवाला देकर दावा किया है कि इन लोगों की मौत फुटबाल वर्ल्डकप के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाते समय हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रवासी श्रमिकों की मौत का यह आंकड़ा इससे कहीं अधिक हो सकता है। क्योंकि, इन आंकड़ों में फिलिपींस और केन्या सहित कई ऐसे देशों को शामिल नहीं किया गया हैं जहां के लाखों लोग कतर में नौकरी करते हैं। कतर में पिछले 10 साल में लगभग 28 लाख प्रवासी मजदूरों ने फुटबॉल के 7 नए स्टेडियमों का निर्माण किया है। 2022 गर्मियों में आयोजित होने वाले दुनिया के सबसे प्रसिद्ध खेल के प्रेमियों को स्वर्ग की अनुभूति देने के लिए नया मेट्रो, एयरपोर्ट, मोटरवे यहां तक कि एक नया शहर भी बसाया गया है। कतर में लगभग 20 लाख प्रवासी मजदूर काम करते हैं, जिनमें अधिकतर लोग दक्षिण एशिया, अफ्रीका और पूर्वी एशिया के रहने वाले हैं। खाड़ी देशों में श्रम अधिकारों को लेकर काम करने वाले फेयरस्केयर प्रोजेक्ट्स के निदेशक निक मैकगिहान ने कहा कि इस निर्माण कार्य में मजदूरों की हुई मौत को उनके काम के हिसाब से बांटा नहीं गया है, फिर भी संभावना जताई जा रही है कि अधिकतर श्रमिकों की मौत वर्ल्ड कप के लिए निर्माण करते समय हुई है। उन्होंने कहा कि 2011 के बाद से कतर में बड़े पैमाने पर प्रवासी श्रमिकों की मौत हुई है।

केविन पीटरसन ने चौथे टेस्ट मैच के लिए टर्निंग विकेट नहीं बनवाने का आग्रह किया

अहमदाबाद, (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भारतीय टीम प्रबंधन से चौथे टेस्ट मैच के लिए टर्निंग विकेट नहीं बनवाने का आग्रह करते हुए कहा कि खिलाड़ी भी ऐसा नहीं चाहते हैं। भारत ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीसरा टेस्ट मैच को यहां दूसरे दिन ही 10 विकेट से जीतकर चार मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बनाकरविश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। पीटरसन ने टवीट किया, एक मैच के लिए ऐसा विकेट ठीक है, जहां बल्लेबाज के कौशल और तकनीक का टेस्ट होता है लेकिन मैं इस तरह का विकेट और नहीं देखना चाहता और मुझे लगता है कि सारे खिलाड़ी भी नहीं चाहते। बहुत अच्छे, इंडिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी पिच की प्रकृति पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने ट्वीट किया, मैच दो दिन में समाप्त हो गया, पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। अगर अनिल कुंबले और हरभजन सिंह इस तरह के विकेट पर गेंदबाजी करते तो उनके नाम पर 1000 और 800 विकेट दर्ज होते। फिर भी अक्षर, अश्विन को बधाई। इशांत को 100वें टेस्ट मैच की बधाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी पिच पर नाखुशी जाहिर की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में ट्वीट किया, अगर इस तरह की पिचें तैयार की जाती है,तब मेरे पास जवाब है कि यह कैसे काम कर सकता है। टीमों को तीन पारियां खेलने के लिए दो।

अगले माह से शुरू हो रहे भारतीय महिला खिलाड़ियों के घरेलू टूर्नामेंट

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कोराना के भारतीय महिला खिलाड़ियों के घरेलू टूनार्मेंट अब तक शुरू नहीं हो सके हैं। अगले महीने से बीसीसीआई इसकी शुरूआत करने जा रहा है। 11 मार्च से 50 ओवर के टूनार्मेंट शुरू होगा और 6 वेन्यू पर मुकाबले होने है। सभी टीमों को 4 मार्च तक वेन्यू पर पहुंचना होगा। 4, 6 और 8 मार्च को तीन कोरोना टेस्ट के बाद ही खिलाड़ी बायो बबल में जाएंगे। कोरोना के कारण पिछले सीजन में घरेलू टूनार्मेंट के भी मुकाबले नहीं हुए। आईपीएल का आयोजन देश के बाहर यूएई में कराना पड़ा था। पुरुषों की मुश्ताक अली ट्रॉफी के साथ घरेलू टूनार्मेंट की वापसी 10 जनवरी से हुई। मौजूदा समय में पुरुषों का वनडे टूनार्मेंट विजय ट्रॉफी टूनार्मेंट चल रहा है। हालांकि बोर्ड की ओर से अब तक महिलाओं के घरेलू टूनार्मेंट को लेकर कोई बयान नहीं आया है। लेकिन बोर्ड सचिव जय शाह की ओर से सभी स्टेट एसोसिएशन को जानकारी भेज दी गई है। मुकाबले जिन छह वेन्यू पर खेले जाएंगे उनमें सूरत, राजकोट, जयपुर, इंदौर, चेन्नई और बेंगलुरू शामिल हैं। मालूम हो कि 7 मार्च से भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के बीच वनडे और टी20 सीरीज भी शुरू हो रही है। ये मुकाबले लखनऊ के एकाना इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएंगे।

महिला वनडे टूनार्मेंट में कुल 37 टीमें शामिल हो रही हैं। पांच एलिट ग्रुप बनाए हैं। हर ग्रुप में 6-6 टीमें हैं। प्लेट ग्रुप में 7 टीमें हैं। महिला कैटेगरी में सर्विसेस की टीम नहीं खेलती है। हर ग्रुप की टॉप टीम नॉकआउट के लिए क्वालिफाई करेगी। अंतिम दो टीम का फैसला प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड से होगा। क्वार्टर फाइनल के मुकाबले 29 मार्च को जबकि सेमीफाइनल 1 अप्रैल को होगा। फाइनल 4 अप्रैल को होगा। नॉकआउट मुकालबों के वेन्यू बाद में घोषित किए जाएंगे।

टीमें इस तरह से हैं

एलिट ग्रुप एः झारखंड, ओडिशा, हैदराबाद, गुजरात, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा

एलिट ग्रुप बीः रेलवे, बंगाल, सौराष्ट्र, हरियाणा, असम, उत्तराखंड

एलिट ग्रुप सीः आंध्र, उप्र, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, चंडीगढ़

एलिट ग्रुप डीः मप्र, मुंबई, केरल, बड़ौदा, पंजाब, नागालैंड

एलिट ग्रुप ईः कर्नाटक, दिल्ली, हिमाचल, तमिलनाडु, विदर्भ, मेघालय

प्लेट ग्रुपः पुडुचेरी, जम्मू-कश्मीर, मिजोरम, बिहार, मणिपुर, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश

जिम्नास्टिक महासंघ को खेल मंत्रालय से मान्यता मिली

नई दिल्ली, (संवाददाता)। खेल मंत्रालय ने एक दशक के बाद भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ (जीएफआई) को आंखिरकार मान्यता दे दी है। यह मान्यता 31 दिसंबर तक के लिये दी गई है। खेल मंत्रालय ने 2011 में महासंघ में मतभेद के कारण इसकी मान्यता रद्द कर दी थी। फिलहाल खेल मंत्रालय राष्ट्रीय खेल महासंघों को सालान आधार पर मान्यता दे रहा है। महासंघ को जारी मंत्रालय के एक पत्र में कहा गया , आपकी मान्यता तुरंत प्रभाव से बहाल करने का फैसला लिया गया है जो 31 दिसंबर 2021 तक प्रभावी रहेगी। वहीं नवंबर 2019 में अध्यक्ष पद पर सुधीर मित्तल के चुनाव को रिकॉर्ड में रखा गया है। मंत्रालय ने कोषाध्यक्ष कौशिक बीड़ीवाला के चुनाव को भी रिकॉर्ड में रखा लेकिन कहा कि शांति कुमार को महासचिव के तौर पर स्वीकार करने का फैसला मणिपुर उच्च न्यायालय के फैसले के बाद लिया जायेगा।

मंत्रालय ने कहा कि महासंघ के संविधान को 2011 खेल कोड के अनुरूप बनाना होगा। इसमें कहा गया , जीएफआई को छह महीने के भीतर अपने संविधान को खेल कोड के प्रावधानों के अनुरूप बनाना होगा। शांति कुमार को पांच नवंबर 2019 को हुए चुनाव में महासचिव बनाया गया था लेकिन मंत्रालय ने खेल कोड 2011 के कार्यकाल के प्रावधानों के उल्लंघन के कारण उनके चुनाव पर आपत्ति जताई थी। मंत्रालय ने कहा कि शांति कुमार पहले कोषाध्यक्ष और महासचिव रह चुके हैं और दोबारा महासचिव के चुनाव के लिये उनका खड़ा होना खेल कोड का उल्लंघन है।

भारत की महान टीम में सारी खूबियां : मैथ्यू हेडन

चेन्नई, (एजेंसी)। भारत में महान टीम की सारी खूबियां यह बात ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने कही है। हेडन ने कहा कि भारतीय टीम में महान टीम की सारी निशानियां है क्योंकि वह हर परिस्थिति में जीतने का हुनर जानती है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर 2-1 से हराया। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में 2-1 से बढत बना ली है। हेडन ने एक इंटरव्यू में कहा, भारत ने दिखा दिया है कि वह ऐसी आधुनिक टीम है जो जुझारूपन से खेलना और विषम परिस्थितियों में जीतना जानती है। अपनी धरती पर भी और विदेश में भी।

चेन्नई और अहमदाबाद में विकेटों को लेकर हो रही आलोचना पर हेडन ने कहा, विकेट बुरे तरीके से तैयार नहीं की गई थी। मुझे कोई दिक्कत नहीं है। हालात ऐसे होने चाहिए कि मुकाबला बराबरी का हो। उन्होंने कहा, अपनी धरती पर और विदेश में भी टीमों को हालात के अनुकूल विशेषज्ञ रखने चाहिए। आधुनिक क्रिकेट, आधुनिक प्रारूप, अलग-अलग हालात और अपार संसाधनों के चलते यही सही है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 103 टेस्ट में 8625 रन बना चुके हेडन ने आर अश्विन और अक्षर पटेल का सामना करने में नाकाम रहे इंग्लैंड के बल्लेबाजों को सलाह देते हुए कहा, अहमदाबाद की विकेट ज्यादा टर्न नहीं लेती। मैं इस पर जब संभव हो स्वीप शॉट खेलने का प्रयास करता। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हालात के अनुरूप स्पिनरों को खेलना चाहिए। उन्होंने कहा, गेंद के टर्न नहीं लेने पर क्रॉस बैट शॉट खतरनाक होते हैं जिससे पगबाधा होने की काफी संभावना रहती है।

मोटेरा की पिच को लेकर बीसीसीआई पर भड़के वान

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को आईसीसी ने कुछ ज्यादा ही रियायतें दे दी हैं जिससे वह मोटेरा जैसी पिचें बना रहा है और अगर आईसीसी इसी प्रकार उसे राहत देता रहा तो वह आगे भी इसी प्रकार की पिचें बनाता रहेगा। इसलिए अब आईसीसी को सख्त रवैया अपनाना चाहिये। मोटेरा में हुए दिन-रात्रि के टेस्ट में भारतीय टीम ने दो दिनों के अंदर ही मेहमान टीम इंग्लैंड को हरा दिया था उसी के बाद से ही यहां की पिच पर सवाल उठने लगे हैं।

टीम इंडिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए अब अंतिम टेस्ट को केवल ड्रॉ कराने की जरूरत है। वॉन ने कहा कि भारतीय बोर्ड को ऐसी पिच तैयार करने के लिए जितनी अधिक राहत दी जाएगी, उतना ही आईसीसी प्रभावहीन होती दिखेगी। वॉन ने कहा, बीसीसीआई को अपने अनुसार पिच तैयार करने की इजाजत आईसीसी से मिली हुई है। इससे टेस्ट क्रिकेट को नुकसान ही पहुंच रहा है। समय से पहले मैच खत्म होने से प्रशंसकों को भी मजा नहीं आता और उनके टिकट के पैसे भी वापस किए जाने चाहिए। वॉन ने कहा कि मैच की किसी भी पारी में 250 रन नहीं बन सके। ऐसे में इसे अच्छी पिच कैसे कहा जा सकता है। साथ ही कहा कि विश्व चैम्पयनशिप के तहत ऐसी पिच बनाने वाली टीमों के अंक भी काटे जाने चाहिए।

इटली में अल्पाइन स्की मुकाबले में भाग लेती हुई ऑस्ट्रिया की रमोना सिबेनहोफर।

बीसीसीआई ने ग्लोबल इवेंट के लिए टेंडर निकालने के आईसीसी नियम का विरोध किया

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के ग्लोबल इवेंट की मेजबानी के लिए टेंडर निकालने और मेजबान देश से पैसे मांगने के नये नियम का विरोध किया है। इस बारे में बीसीसीसीआई ने आईसीसी बोर्ड सदस्यों की एक बैठक में अपना विरोध जताया है। बीसीसीआई को इस मामले में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) से भी समर्थन मिलने की उम्मीद है। बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली भी शामिल हुए। साल की शुरूआत में आये हार्ट अटैक के बाद गांगुली पहली बार किसी बैठक में शामिल हुए। बीसीसीआई ने कहा है कि वह साल 2023 से 2031 के बीच ग्लोबल टूनार्मेंट की मेजबानी के लिए आईसीसी के टेंडर बुलाने की नीति के खिलाफ है। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, बीसीसीआई ने बैठक के दौरान ग्लोबल इवेंट के अगले दौर के लिए टेंडर बुलाने के नियम बनाने के बारे में अपनी राय रख दी है। साथ ही कहा कि इस मामले में हमें ईसीबी और सीए से भी सहयोग की उम्मीद है। वहीं ओमान और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के साथ ही मलेशिया और सिंगापुर बोर्ड ने भी ग्लोबल टूनार्मेंट की मेजबानी के लिए संयुक्त बोली में रुचि को लेकर आईसीसी को जानकारी भेजी है। वहीं पाकिस्तान बोर्ड भी इस ग्लोबल इवेंट की मेजबानी करना चाहता है।

जर्मनी का दौरा, टीम मो तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों को मजबूती देगा : कप्तान रानी

डसेलडोर्फ, (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी ने दुनिया की तीसरे नंबर की टीम जर्मनी के खिलाफ पहले मैच से पूर्व कहा कि अर्जेंटीना दौरे से आत्मविश्वास बढ़ा, लेकिन जर्मनी का दौरा तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों को मजबूती देगा। भारतीय टीम शनिवार से जर्मनी के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला खेलेगी। रानी ने कहा, कि अर्जेंटीना दौरे से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा। एक के बाद एक इन दौरों से हमें तैयारी का सुनहरा मौका मिला। तोक्यो ओलंपिक में अब ज्यादा समय नहीं रह गया है और शीर्ष टीमों के खिलाफ इन मैचों से हमें अपनी कमियों का पता लगाकर लय हासिल करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि जर्मनी के खिलाफ मैचों से उन्हें खेल के हर पहलू में टीम को परखने का मौका मिला। रानी ने कहा कि यह अर्जेंटीना दौरे से एकदम अलग होगा। इसमें फिटनेस के स्तर से लेकर हर पहलू को परखने का मौका मिलेगा। यह दौरा चुनौतीपूर्ण होगा चूंकि हम लगातार मैच खेलने वाले है। हमारे प्राथमिकता प्रतिस्पर्धी सोच के साथ उतरने की होगी। जर्मनी जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ खेलकर ओलंपिक की तैयारी पक्की होगी। दूसरा मैच रविवार को और आखिरी दो मैच दो और तीन मार्च को खेले जाएंगे।